RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 139 ● भिलाई, शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। देश की राजधानी में एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है. दिल्ली में सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेज रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली. ईमेल करने वाले ने बताया कि वे दोपहर 1.15 पर ब्लास्ट करेंगे. धमकी मिलने के बाद दोनों कॉलेजों में सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया है. जांच में सामने आया है कि मेल भेजने वाले ने दावा किया कि दोनों कॉलेज परिसरों में 3 आरडीएक्स आधारित आईईडी लगाए गए हैं, जिनमें से एक को दोपहर 1:15 बजे विस्फोट के लिए टाइम सेट किया गया है. धमकी की सूचना पर दिल्ली पुलिस और बम स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर में तलाशी अभियान शुरू किया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है. वहीं, इस घटना से दोनों कॉलेजों के छात्रों और उनके परिजनों में दहशत का माहौल पैदा हो गया. हालांकि पुलिस की त्वरित और सफल कार्रवाई से यह सुनिश्चित हो गया कि स्थिति नियंत्रण में है और कोई खतरा नहीं है.

प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार मामले में राहत नहीं, हाई कोर्ट ने सजा निलंबन से इंकार किया

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने बलात्कार के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जेल की सजा को निलंबित करने से इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति केएस मुदगल और वेंकटेश नाइक की खंडपीठ ने कहा कि रेवन्ना को राहत देने से गवाहों को प्रभावित करने की संभावना बढ़ सकती है। जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते रेवन्ना ने याचिका दायर कर जेल की सजा को निलंबित करने और जमानत मांगी थी। कोर्ट ने कहा, सभी साक्ष्यों, अपराध की गंभीरता और अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा करने से उसके खिलाफ लंबित अन्य मामलों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के बाद, अदालत ने फैसला किया है कि यह जमानत देने या सजा को निलंबित करने का उपयुक्त मामला नहीं है।

प्रदूषण,रुपये की गिरावट,पान मसाला उपकर

दिल्ली वायु प्रदूषण को लेकर विपक्षी सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन था। आज चौथे दिन दोनों ही सदनों में सामान्य कामकाज देखने को मिला। हालांकि प्रदूषण को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष की ओर से शोर जरूर किया गया। वहीं, विपक्ष के सांसदों ने वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन भी किया। दूसरी ओर विपक्ष रुपए की कीमत में लगातार गिरावट को भी मुद्दा बनाने की कोशिश करता रहा। कई विपक्षी सांसदों ने वक्फ पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की लोकसभा में मांग की। राज्यसभा में डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा उठा और इसको लेकर राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की गई। वहीं, सरकार ने कहा कि देश में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि 'जल जीवन मिशन' को लेकर सांसदों की तरफसे जो शिकायतें आई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस योजना में किसी भी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पान मसाला पर उपकर लगाने वाले विधेयक को 'इंस्पेक्टर राज' की वापसी करने वाला कदम करार दिया और कहा कि इसे प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक के लिए सरकार की सराहना

करते हुए कहा कि इसके माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों हितों को साधा गया है। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि पान मसाला के उत्पादन पर उपकर लगाने के प्रावधान का मकसद स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि टोल संग्रह की मौजूदा प्रणाली एक साल के भीतर समाप्त हो जाएगी और इसकी जगह एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली लेगी, जो राजमार्ग से गुजरने वालों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगी।भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की बृहस्पतिवार को मांग करते हुए कहा कि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने देश में कोचिंग प्रणाली पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को सरकार से मांग की कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट की पूरी तरह समीक्षा की जाए।

मस्जिदों, मदरसों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं : अरुण गोविल

नयी दिल्ली. भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की बृहस्पतिवार को मांग करते हुए कहा कि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि वर्तमान में देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके हैं. गोविल ने कहा कि ये कैमरे पारदर्शिता, सुरक्षा और अपराध निरोध में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं, लेकिन मस्जिदों और मदरसों में अब भी यह व्यवस्था लागू नहीं है जबकि ये भी बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां सुरक्षा सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है.

ममता का दावा

एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में सबसे ज्यादा हिंदू

ब्रह्मपुर/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को एसआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया कि देशभर में इस कवायद से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में आधे से ज्यादा लोग हिंदू हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा को आगाह करते हुए कहा कि वह उसी डाल को काट रही है जिस पर बैठी है।बनर्जी ने अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले धार्मिक राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने यह भी दोहराया कि वह बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) या निरुद्ध केंद्र की इजाजत कभी नहीं देगी चाहे, उनकी गर्दन ही क्यों न काट दी जाए।उन्होंने कहा, भाजपा विशेष गहन पुनरीक्षण पर धार्मिक राजनीति कर रही है। एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में जिन लोगों की मौत हुई उनमें आधे से ज्यादा हिंदू थे। जिस शाखा पर बैठे हो उसे मत काटो। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने ऐलान किया, मैं, बंगाल में एनआरसी या निरुद्ध केंद्र की इजाजत नहीं दूंगी। मेरी गर्दन भी क्यों न काट दी जाए, किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा। बनर्जी ने कहा, वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी है। बनर्जी ने भ्रामक सूचनाओं के प्रसार की साज़िश को लेकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया।

भावनगर के समीप कॉम्प्लेक्स में लगी आग, 15-20 लोगों को बचाया गया

भावनगर। भावनगर शहर के समीप कॉम्प्लेक्स में आग लगने के बाद नवजात बच्चों समेत 15 से ज्यादा लोगों को बचाया गया. आग इतनी तेज थी कि 5 से ज्यादा फायर इंजन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की, क्योंकि इस बिल्डिंग में तीन से चार अस्पताल हैं. शहर के कालुभा रोड पर समीप कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि यह कॉम्प्लेक्स के ऊपरी फ्लोर पर बने अस्पताल तक पहुंच गई. बाद में फायर डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की. अग्निशमन अधिकारी प्रद्युम्न सिंह जडेजा ने बताया कि आग बेसमेंट में लगी।

विधायकों से भी ऐसा करने के लिए कहा

नीतीश ने बिहार विधानसभा में प्रधानमंत्री की तारीफ की

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सरकार को मिल रहे सहयोग का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने राज्य विधानसभा के सदस्यों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए हाथ उठाएं। उन्होंने राज्यपाल द्वारा दोनों सदनों के संयुक्त अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान यह बात कही। लगातार पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड बना चुके कुमार ने अपने पिछले 20 वर्षों के शासनकाल में राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयासों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने 20 मिनट के भाषण के अंत में उन्होंने कहा, राज्य के विकास के लिए हमें केंद्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। जुलाई 2024 में पेश किए गए बजट में केंद्र ने सड़कों, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण को लेकर विशेष वित्तीय सहायता दी। उन्होंने कहा, इसके बाद फरवरी 2025 में पेश किए गए बजट में मखाना बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया, साथ ही हवाई अड्डे बनाने और पश्चिम कोसी नहर परियोजना के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की गई। इसी साल बिहार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला। मुख्यमंत्री ने कहा, इन सभी चीजों के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सलाम करता हूं। मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे हाथ उठाकर ऐसा करें।

टीएमसी विधायक का बड़ा बयान

मैं मस्जिद की नींव रखूंगा कोई रोक नहीं सकता है..

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को देबरा विधायक हुमायूं कबीर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद निलंबित कर दिया। पार्टी ने उन पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, अब भी हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने को लेकर अड़े हुए है। मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा कि जब मैंने कहा था कि नींव रखेंगे, तो नींव रखेंगे। सब कुछ बाद में बताया जाएगा। 25 बीघा ज़मीन पर एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, होटल-कम-रेस्टोरेंट, हेलीपैड, पार्क और मेडिकल कॉलेज बनेगा। थोड़ा इंतज़ार करो। चिंता मत करो। आने वाले दिनों में हम ये काम पूरा कर देंगे।

तलाकशुदा मुस्लिम महिला शादी में पति को दिए गए तोहफे वापस ले सकती है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) एक्ट, 1986 के तहत शादी के समय अपने पिता के द्वारा पति को दिए गए कैश, सोने के गहने और दूसरी चीजें वापस पाने की हकदार है. जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि 1986 के एक्ट का मकसद तलाक के बाद मुस्लिम महिला की इज्जत और पैसे की सुरक्षा करना है, जो संविधान के आर्टिकल 21 के तहत महिला के अधिकारों से मेल खाता है. 2 दिसंबर को दिए गए फैसले में बेंच ने कहा, इसलिए, इस एक्ट को बनाते समय बराबरी, इज्जत और आजादी को सबसे ऊपर रखना होगा।

हिड़मा के एनकाउंटर को लेकर नक्सली संगठन ने एक नया पत्र जारी...

मुखबिर की सूचना पर हुई हत्या,माओवादियों का एक और पत्र.....पुलिस की मंशा पर उठाए सवाल

सुकमा। सुकमा जिले में पुलिस द्वारा मारे गए माओवादी कमांडर हिड़मा के एनकाउंटर को लेकर नक्सली संगठन ने एक नया पत्र जारी कर पुलिस के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। माओवादियों ने पत्र के माध्यम से हिड़मा की मौत के संबंध में अपनी ओर से विस्तृत स्पष्टीकरण देते हुए पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। माओवादी संगठन द्वारा जारी पत्र के अनुसार, हिड़मा अपने दल के साथ था जब एक कथित भगोड़े नक्सली ने पुलिस को उसकी लोकेशन की जानकारी दी। माओवादियों का आरोप है कि इसी मुखबिर की सूचना के आधार पर

पुलिस ने हिड़मा पर हमला किया। पत्र में इस बात का भी खंडन किया गया है कि हिड़मा की मौत की वजह पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी थी। पत्र में माओवादी नेता देव जी पर हिड़मा की हत्या के लगाए गए आरोपों को भी माओवादियों ने गलत बताया है। उन्होंने कहा है कि देव जी को इस मामले में जानबूझकर फंसाया जा रहा है। माओवादियों ने पूर्व विधायक मनीष कुंजाम और सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी पर इस षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लगाया है। उनके अनुसार, इन दोनों ने मिलकर देव जी को फंसाने के लिए पुलिस के साथ मिलकर बयानबाजी की है।यह पत्र सुकमा में लगातार हो रहे पुलिस और माओवादियों के बीच टकराव के बीच सामने आया है। पुलिस अक्सर नक्सली कमांडर या सदस्यों के एनकाउंटर की खबरें जारी करती रहती है, जबकि नक्सली संगठन इन दावों का खंडन करते हुए अपनी ओर से अलग कहानी पेश करते हैं। यह नया पत्र इस पुरानी कशमकश को और गहराता है और एनकाउंटर की सत्यता पर सवाल खड़े करता है।

बिलासपुर जिले में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह संपन्न

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने एक राष्ट्र,एक चुनाव को भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी बताया

बिलासपुर/ संवाददाता

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा को लागू करना देश के विकास के लिए परिवर्तनकारी साबित होगा. देश में एक साथ चुनाव को लेकर केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष रहे कोविंद आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले रायपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे. इस दौरान कोविंद ने जोर देकर कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने से प्रशासनिक संसाधन बचेंगे और शिक्षा व्यवस्था में बार-बार होने वाली रुकावटों को रोका जा सकेगा. देश में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है, जिसके बाद सरकार ने 2024 में लोकसभा में दो संबंधित विधेयक पेश किए. उन्होंने कहा कि दोनों विधेयक अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिए गए हैं, जो उनकी जांच कर रही है. कोविंद ने कहा कि हर साल राज्यों में बार-बार होने वाले चुनाव प्रशासनिक

संसाधन, खासकर शिक्षकों पर भारी बोझ डालते हैं. उन्होंने कहा, मैं मीडिया के ज.रिए अपने देशवासियों को बताना चाहता हूं कि अगर यह अवधारणा (एक राष्ट्र, एक चुनाव) देश में लाई जाती है, तो यह परिवर्तनकारी साबित होगी. भारत के विकास के लिए परिवर्तनकारी होगी.ह्व कोविंद ने कहा, मौजूदा चुनाव व्यवस्था में, हर साल पूरे भारत में चार या पांच राज्यों में चुनाव होते हैं, और पूरा प्रशासनिक तंत्र इसमें लग जाता है. इससे खासकर बच्चों की पढ़ाई को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि शिक्षक चुनाव के काम में लगे रहते हैं. ज.हिर है, अगर वे इन सब चीजों में लगे रहते हैं, तो वे पढ़ाने के लिए समय नहीं दे पाते हैं. उन्होंने कहा कि यह अवधारणा देश के विकास और भविष्य के लिए एक बड़ी पहल है.पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों के साथ समिति की बातचीत के दौरान, यह देखा गया कि देशवासी इस अवधारणा को अपनाने के लिए तैयार हैं. बाद में, बिलासपुर में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलते हुए, उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहते हुए तेजी से बदलती दुनिया के साथ आगे बढ़ें. उन्होंने कहा कि आज भारत योग के लिए विश्व में गुरु है. उन्होंने छात्रों से स्वस्थ शरीर और दिमाग के लिए योग और व्यायाम अपनाने की अपील की. कोविंद ने विद्यार्थियों से जरूरतमंदों की मदद करने की भी अपील की।

विशेष साझेदारी से बढ़ेगी वैश्विक शक्ति

भविष्य की सुरक्षा पर भारत-रूस की बैठक

नई दिल्ली। सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 22वीं मंत्रिस्तरीय बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलौसोव ने सहयोग के विविध पहलुओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस भारत का एक समय-परीक्षित मित्र है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए भारत आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। रूस भारत का समय-परीक्षित, विशेषाधिकार प्राप्त और रणनीतिक साझेदार है, और 2000 में भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा पर हस्ताक्षर करने के बाद से हमारा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग काफी बढ़ा है।

डोंगरगांव क्षेत्र के किसानों को मिलने लगा टोकन, पूर्व सांसद अभिषेक ने नई दिल्ली में किया

किरगी ब के किसानों का नही निकल रहा था टोकन

डोंगरगांव नगर। तहसील डोंगरगांव अंतर्गत ग्राम किरगी ब के किसानों को अब समर्थन मूल्य में धान विक्रय करने हेतु टोकन समस्या से निजात मिल गया है। 15 नवंबर से धानखरीदी प्रारंभ होने के बाद से ही गिरदावरी व भौतिक सत्यापन पूर्ण होने के बाद भी किसानों को टोकन नही निकल रहा था। इस आशय की शिकायत पुर्व सांसद अभिषेक सिंह को मिलने के बाद उन्होंने एनआईसी नईदिल्ली में हस्तक्षेप किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम किरगी ब के संपूर्ण किसानों का भौतिक सत्यापन/ गिरदावरी लंबित दिखा रहा था, जिससे गांव के एक भी किसान का टोकन नहीं निकल रहा था। पूरे प्रदेश मे धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो चुका है, बनिस्बत ग्राम किरगी ब के एक भी किसान टोकन समस्या से अपनी फसल का एक दाना भी नही बेच पाए थे। गाँव के सभी किसान मायूस थे। किसानो ने इधर उधर भटकने के बाद जिला महामंत्री डिकेश साहू को अपनी समस्या बताई। उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि से जानकारी एकत्र कर जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल से चर्चा कर पूर्व सांसद अभिषेक सिंह को अवगत कराई। एक गांव के सैकड़ो किसानों की समस्या से अवगत होकर पुर्व सांसद ने राज्यशासन के शीर्षस्थ अफसरों से चर्चा कर सीधे एनआईसी नईदिल्ली में हस्तक्षेप किया। जिला महामंत्री डिकेस साहू व स्थानीय जनपद सदस्य मनीष कुमार साहू की तत्परता एवं गंभीरता से पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने नई दिल्ली से तकनीकी त्रुटि को सुधार कराकर किसानों को समस्या से निजात दिलाया। अब किरगी ब के किसानों का टोकन निकलना प्रारंभ हो गया है। किरगी के किसानों ने अभिषेक सिंह के अलावा कोमल सिंह राजपूत, सचिन बघेल, डिकेश साहू व मनीष साहू के प्रति कृतज्ञता जाहिर की है।

छड़ से भरी पलटी ट्रक में निकाला 8 लाख 30 हजार का अवैध गांजा

बेमेतरा। छड़ से भरी पलटी ट्रक में 8 लाख 30 हजार का गांजा निकाला तब लोगों को पता चला कि लौहे के छड़ के आड़ में गांजा का तस्करी किया जा रहा था। पुलिस इस मामले में जांच शुरू कर दिया है तो पुलिस को 83किलो गांजा बरामद किया है जिसका बाजार भाव करीब 8 लाख 30 हजार रुपए बताया जाता है। रायपुर से प्रयागराज जा रही ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है बेमेतरा थाना क्षेत्र के ग्राम बैजी के टोल प्लाजा के पास रायपुर से प्रयागराज जा रहा एक भारी मालवाहक ट्रक क्रमांक सीजी 04एम6804 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो प्रारंभिक जांच में ट्रक में लोहे की छड़ें भरी हुई मिलीं। लेकिन जैसे ही पुलिस ने ट्रक के केबिन और अंदरूनी हिस्सों की बारीकी से तलाशी ली, वहां से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। फरार ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है गांजे को लोहे की छड़ों के नीचे और केबिन के भीतर बड़ी चालाकी से छुपाकर रखा गया था, जिससे यह साफ हो गया कि, छड़ की आड़ में गांजे की तस्करी की जा रही थी। पुलिस मौके पर जेसीबी और मजदूरों की मदद से ट्रक से छड़ उतारकर गांजा निकालना शुरू कर तो 83किलो गांजा मिला। इस संबंध में बेमेतरा सिटी कोतवाली पुलिस थाना के टीआइ मयंक मिश्रा ने बताया कि जप्त गांजे की कीमत करीब 8 लाख 30हजार रुपए आंका गया है टीआई मिश्रा ने बताया कि वाहन चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 0/25धारा 281बीएन एस20 एनडीपीएस एसी टी के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सांसद भोजराज नाग ने चार दिनों में शत-प्रतिशत फॉर्म भराने का दिया निर्देश

दल्लीराजहरा। राजहरा भाजपा मंडल में 30 नवम्बर को विधानसभा स्तरीय एसआईआर बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद भोजराज नाग रहे। बैठक की शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुई। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू ने दिया, जबकि जिला सहः कोषाध्यक्ष मनीष झा ने एसआईआर अभियान पर विस्तृत जानकारी दी। अपने संबोधन में सांसद नाग ने निर्देशित किया कि आने वाले चार दिनों में क्षेत्र के शेष प्रत्येक घर में जाकर फॉर्म भरवाना अनिवार्य है, ताकि विधानसभा क्षेत्र में लक्ष्य समय पर पूर्ण किया जा सके। कार्यक्रम संचालन मंडल महामंत्री रमेश गुजर ने किया तथा आभार राकेश द्विवेदी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण उपस्थिति कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, नगर पालिका अध्यक्ष तोरण साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे, नगर पंचायत डौंडी के अध्यक्ष मुकेश कौडो, डौंडी मंडल अध्यक्ष रूपेश नायक, रेंगा डबरी मंडल अध्यक्ष उत्तरा धीरेन्द्र, राजहरा मंडल उपाध्यक्ष मुकेश खस, गीता मरकाम, विनय सिंह और सुरेंद्र बेहरा, मंडल महामंत्री रमेश गुजर और प्रकाश ठाकुर, कुसुमकसा मंडल महामंत्री पुशन भुआर्य एवं मितेंद्र वैष्णव किरण सिंन्हा तथा मंडल मंत्री समर्थ लखानी की उपस्थिति रही। इसके अलावा विभिन्न वार्डों एवं बूथों के पार्षदगण, बीएलए -2 और राजहरा, डौंडी, रेंगा डबरी तथा कुसुमकसा क्षेत्रों से आए समस्त कार्यकर्ता गण कार्यक्रम में मौजूद रहे।

नगर पंचायत की टीम ने कलेक्टर से की फरियाद जल आवर्धन योजना पुनः प्रारंभ करने की गुजारिश

डोंगरगांव नगर। नगर पंचायत डोंगरगांव की टीम ने गत दिनों कलेक्टर राजनांदगाँव से मुलाकात की। निकाय की टीम अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी की अगुवाई में कलेक्टर के समक्ष फरियाद लेकर पहुंची थी। टीम ने नगर में पर्याप्त जलापूर्ति के लिए 2 वर्षों से ठप्प जल आवर्धन योजना को पुनः शुरू करने हेतु पहल करने की गुजारिश की। वहीं नगर के वंचित हितग्राहियों को आवासीय पट्टे देने हस्तक्षेप करने की मांग रखी है। नगर की दीर्घकालिक विकास योजनाओं को निर्बाध गति देने एवं नागरिक हितों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के उद्देश्य से निकाय टीम ने जल आवर्धन योजना को पुनः प्रारंभ करने हेतु दर्री एनीकट के इंटकवेल को शीघ्र प्रारंभ करने की गुजारिश की। इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र में अब तक आवासीय पट्टे से वंचित पात्र हितग्राहियों के लिए हस्तक्षेप कर विशेष पहल करते हुए कलेक्टर से आवश्यक सहयोग प्रदान करने की मांग की। कलेक्टर ने उपरोक्त दोनों ही विषयों पर सकारात्मक एवं त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए नगर पंचायत की टीम को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया है। इस अवसर पर पार्षदगण पुरषोत्तम साहू, लीलाराम मंडलोई, पदमनी ठाकुर, मनबोधी पटेल, कोमल साहू, प्रफुल्ल राजा जैन, लक्ष्मीनारायण सेन के अलावा आकाश त्रिपाठी उपस्थित थे।

दुर्ग संभाग आयुक्त ने धान खरीदी व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

किसानों से ली जमीनी हकीकत की जानकारी

बेमेतरा। दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने जिले के एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा पहुँचकर धान खरीदी व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया। विभिन्न खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं की समीक्षा में सहभागिता की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त एवं कलेक्टर ने बीजाभाट धान उपार्जन केंद्र का भ्रमण किया, जहाँ किसानों द्वारा लाए जा रहे धान, उसकी गुणवत्ता तथा खरीदी की समग्र प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया गया। आयुक्त ने स्वयं मॉइस्चर मशीन का उपयोग कर धान का मॉइस्चर स्तर चेक किया और यह सुनिश्चित किया कि धान खरीदी नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से हो रही है। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देशित किया कि परिसर में पर्याप्त स्पेस बनाया जाए ताकि किसानों को धान रखने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, कतार व्यवस्था, तुलाई प्रक्रिया और भंडारण प्रबंधन सुचारू रूप से संचालित हों, किसानों के लिए पानी, शेड, बैठने की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ, किसानों से सीधी बातचीत, ली खरीदी प्रक्रिया की वास्तविक जानकारी आयुक्त राठौर ने केंद्र में उपस्थित किसानों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्या, सुझाव एवं खरीदी से जुड़ी स्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि खरीदी प्रक्रिया में कोई दिक्कत तो नहीं आ रही, टोकन समय पर मिल रहे हैं या नहीं? तुलाई एवं भुगतान व्यवस्था से किसान संतुष्ट हैं या नहीं? किसानों ने प्रशासन के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए बताया कि खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रणवीर शर्मा एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, कृषि, खाद्य एवं मार्कफेड के अधिकारी, समिति प्रबंधक तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी को आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी स्थिति में परेशानी न होने पाए तथा खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आयुक्त का यह निरीक्षण जिले में धान खरीदी की व्यवस्था को और अधिक मजबूत, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जिले में धान खरीदी की प्रगति पर विशेष फोकस

जिले में धान खरीदी सीजन आरंभ होने के बाद से प्रशासन द्वारा सतत् मॉनिटरिंग की जा रही है। अब तक अधिकांश धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी सुचारू रूप से जारी है। किसानों को टोकन जारी करने की प्रक्रिया को और बेहतर एवं समयबद्ध बनाया गया है, ताकि किसी प्रकार की भीड़ या देरी की स्थिति न बने। तुलाई के लिए पर्याप्त मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। मार्कफेड और खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा केंद्रवार धान उठाव की प्रगति पर प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है, जिससे खरीदी केंद्रों में जगह की उपलब्धता बनी रहे। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले में आने वाले दिनों में खरीदी की गति और बढ़े तथा किसानों को बिना किसी प्रतीक्षा के अपनी उपज विक्रय करने की सुविधा मिले।

धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा गीता जयंती पखवाड़ा

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा गीता जयंती पखवाड़ा का प्रदेशव्यापी शुभारंभ किया गया। यह आयोजन 3 दिसम्बर से 18 दिसंबर तक सभी राम जानकी, राधा-कृष्ण तथा सनातन मंदिरों में मनाया जाएगा। इस प्रदेशव्यापी शंख-नाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को क्रमशः स्वर्ण पत्र, रजत पत्र और ताम्र पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिला स्तरीय फाइनल राम जानकी मंदिर, नवागढ़, तथा प्रदेश स्तरीय फाइनल निर्वाणी अखाड़ा, नर्मदा कुंड, रायपुर में होगा। कार्यक्रम का संचालन एवं पर्यवेक्षण डॉ. सौरव निर्वाणी, महंत सुरेंद्र दास, और डॉ. रविन्द्र द्विवेदी के मार्गदर्शन में होगा। समापन दिवस पर अंतिम तीन विजेताओं को राम रसायन के मर्मज्ञ कथावाचक सन्दीप अखिल के करकमलों से पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। धर्म स्तंभ कौंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि गीता जयंती दिसंबर माह में इसलिए मनाई जाती है क्योंकि मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी जो प्रायः दिसंबर में पड़ती है उसी पावन तिथि पर कुरुक्षेत्र के दिव्य रणक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमदभगवत गीता का उपदेश दिया था। यह केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि मानवजाति के लिए धर्म, कर्तव्य, साहस, आत्मबल और सत्य के पुनर्जागरण का क्षण है। गीता जीवन का सर्वोच्च प्रबंधन-ग्रंथ है, और हमारा उददेश्य है कि इसका संदेश हर घर, हर युवा और हर मन तक पहुँचे। धर्म स्तंभ काउंसिल ने प्रदेश के सभी जिलों, मंदिर समितियों, युवाओं और सनातन प्रेमियों से अपील की है कि वे इस दिव्य गीता जयंती पखवाड़े में उत्साहपूर्वक भाग लेकर सनातन संस्कृति के इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाएँ। धर्म स्तंभ कौंसिल ने आयोजन की निर्देशिका सभी मठ मंदिरों में जारी कर आयोजन करने और विजेता प्रतिभागियों को धर्म स्तंभ काउंसिल के केंद्रीय कार्यालय नर्मदा कुंड में व्हाट्सएप वीडियो भेज ने कहा है।

ग्राम सिलघट में होने वाले 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियां तेज

बेमेतरा। शांतिकुंज हरिद्वार से प्रवाहित आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक दिव्य शक्ति कलश जब साजा पहुँचा तो नगर में भक्ति और उत्साह का अदभुत माहौल देखने को मिला। गायत्री परिवार के परिजनों और नगरवासियों ने पारंपरिक विधि से शक्ति कलश का स्वागत एवं पूजन किया। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस यात्रा के प्रति बढ़ती आस्था को दर्शा रही थी। शक्ति कलश के आगमन पर पूरे मोहल्ले में आध्यात्मिक श्रद्धा और उल्लास की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम में गायत्री परिवार साजा के ब्लॉक समन्वयक पोखन सिंह ठाकुर ने बताया कि दिव्य शक्ति कलश का आगमन समाज में सद्बुद्धि, संस्कार और आध्यात्मिकता की ओर बढ़ता एक कदम है। उन्होंने कहा– कलश यात्रा केवल दर्शन की घटना नहीं, बल्कि यह संकल्प और परिवर्तन का संदेश लेकर चलती है। साथ ही पूर्व शिक्षक एवं गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन दल्लू सिंह वर्मा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ा दी। उन्होंने वर्षों पुरानी अपनी साधना परंपरा को याद करते हुए लोगों को युग निर्माण और नशा मुक्ति का संदेश दिया। शक्ति कलश के साथ नवागढ़ ब्लॉक समन्वयक बसंत कुमार वर्मा भी साजा पहुँचे। इसके अलावा देवकी मढरिया, सुभद्रा वर्मा सहित साजा नगर निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने कलश का विधिवत स्वागत किया। ग्राम सिलघट (बेमेतरा) में 108 कुण्डीय महायज्ञ–10 से 13 दिसंबर तक स्वागत कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी भी दी गई कि 10, 11, 12 एवं 13 दिसंबर को बेमेतरा जिले के ग्राम सिलघट (भींभौरी) में 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, भव्य कलश यात्रा, सामूहिक संस्कारों और जागरण कार्यक्रमों का आयोजन होगा। गायत्री परिवार ने सभी श्रद्धालुओं, माताओं-बहनों और युवाओं से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

मितानिन दिवस पर खपरीकला में मितानिनों का किया गया सम्मान

डोंगरगांव नगर। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत खपरीकला में मितानिन दिवस के परिप्रेक्ष्य में मितानिन दिवस का संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित हुआ। सरपंच माधुरी साहू एवं सचिव रामदुलार साहू द्वारा ग्राम की मितानिनों को श्रीफल और शॉल भेंटकर सम्मनित किया गया। सरपंच व सचिव ने मितानिनों के सेवाकार्यों को सराहते हुए बधाई व शुभकामनाएँ दी। उक्त अवसर पर मास्टर ट्रेनर ऐमबाई साहू, मितानिन सीमा माहेश्वरी के अलावा सीमा निर्मलकर, उत्तराबाई साहू, रुपेश्वरी पटेल, आशो बाई निषाद, टीकम नारंग, कालीराम जनबन्धु, दीपक यादव, वीरेंद्र कुमार, पंच सोनू, ललेश्वरि, ममता साहू, हिमा साहू, मीरा साहू, दीपक निषाद, हीरालाल नारंग, उषा जनबंधु व भोज साहू सहित ग्राम पंचायत स्टॉफ उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कम पानी में बेहतर उपज देने वाली दलहन, तिलहन, गन्ना जैसे फसल लेने किया प्रोत्साहित

बालोद। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के किसानों से कहा है कि बालोद जिला एक कृषि प्रधान जिला है। जिले के 80 प्रतिशत से भी अधिक जनसंख्या कृषि कार्य पर निर्भर है। यद्यपि जिले में वर्षा सामान्य होती है। इसके बावजूद जिले का भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। वर्तमान में जिले का गुरूर विकासखण्ड क्रिटिकल जोन में तथा गुण्डरदेही और बालोद विकासखण्ड सेमी क्रिटिकल जोन में शामिल है। धान की फसल में अन्य फसलों की तुलना में अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है, 01 किग्रा. धान उत्पादन के लिए औसतन 3000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। ग्रीष्मकालीन धान के लिए कृषक मुख्य रूप से भूमिगत जल का उपयोग करते है। वृहद क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान की फसल लिये जाने से कई ग्रामों में जल संकट की स्थिति निर्मित हो जाती है तथा पीने के पानी के लिये जुझना पड़ता है। रबी में धान की फसल लेने से न केवल जल स्तर प्रभावित होता है, बल्कि बिजली की खपत भी अधिक होती है। पर्यावरण संतुलन बिगड़ता है व भूमि की उपजाऊ क्षमता में कमी आती है। शासन की मंशा अनुरूप ग्रीष्मकालीन धान के रकबे को कम कर कम पानी वाली वैकल्पिक फसलों को कृषकों को अपनाना चाहिए। जिले में इस बार रबी क्षेत्र विस्तार हेतु तिवड़ा, चना, सरसों, कुसुम का बीज कृषकों को अनुदान में वितरित किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन धान के बदले कृषकों का रूझान मक्का फसल में बढ़ रहा है, भविष्य में इस हेतु मक्का प्रोसेसिंग प्लांट लगाने की योजना है। इस स्थिति को देखते हुए सभी कृषकों से अपील की जाती है ग्रीष्मकालीन धान की बुवाई न करें। धान के स्थान पर मूंग, उड़द, चना, मक्का, सूरजमुखी, गन्ना, सब्जियों, जैसी फसलें अपनाएं, ये कम पानी में भी सफलतापूर्वक ली जा सकती हैं और आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हैं। जल संरक्षण हेतु माइक्रो-इरीगेशन (ड्रिप व स्प्रिंकलर), मल्चिंग और फसल चक्र अपनाने पर विशेष ध्यान दें। ग्रामीण जल स्त्रोतों (कुएँ, तालाब, नाला बंधान, नाला विस्तार) के संरक्षण में सामूहिक भागीदारी निभाएँ। हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि भू-जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी जल एवं कृषि की स्थिरता बनाए रख सकें। आपका सहयोग जिले के सतत् विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गीता जयंती पर विधायक अनिला भेड़िया ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया

दल्लीराजहरा। क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया ने 01 दिसम्बर को दो स्थानों पर आयोजित 'गीता जयंती एवं सामाजिक मिलन समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर जनमानस को प्रेरणा दी। कोसरिया यादव समाज के द्वारा आयोजित गीता जयंती एवं सामाजिक मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होते हुए, विधायक अनिला भेड़िया ने अपने संबोधन में महान ग्रंथ गीता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण जी के द्वारा दिए गए उपदेशों को उद्धृत करते हुए जनमानस को संबोधित किया और कर्म, धर्म तथा सामाजिक एकता के महत्व पर जोर दिया। विधायक ने इस अवसर पर सबके सुख-शांति की कामना की तथा समाज को एकजुट होकर प्रगति की ओर बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने समाज के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें पुरस्कार वितरण भी किया। इस समारोह में विधायक अनिला भेड़िया के साथ विधायक प्रतिनिधि रति राम कोसमा, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रवि जायसवाल तथा जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव युवराज साहू ने विशेष अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान की। मंच पर कोसरिया यादव समाज के अध्यक्ष कृष्णा यादव, प्रदीप यादव, संतोष यादव एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन योगेश यादव ने किया। इससे पूर्व, अनिला भेड़िया जी ने खल्लारी में आयोजित गीता जयंती समारोह में भी मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और समाज को अपनी शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त समाचार

बालाछापर में हाइवे पर ट्रक चालक से 13 लाख की लूट

रायपुर। जशपुर के बालाछापर में हाइवे पर आज सुबह एक ट्रक चालक से चार अज्ञात लूटेरो ने 13 लाख रूपये लूट लिये और फरार हो गये। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार बालाछापर में हाइवे पर आज सुबह क्रमांक सीजी14-एमटी-6190 से जो कि रांची से माल खाली कर व आलू लोड कर आ रहा था, जिसके चालक के पास रांची के माल का 13 लाख रुपए भी था, जिसको कथित रूप से चार व्यक्तियों के द्वारा लूट कर फरार होने का मामला सामने आया है। सूचना पर मौके पर पुलिस टीम के द्वारा पहुंच कर जब ट्रक ड्राइवर से विस्तृत पूछताछ की गई तो ट्रक ड्राइवर ने बताया कि वह रांची से आ रहा था, व सुबह 6 बजे बालछापर के पास, लघु शंका हेतु ट्रक रोककर, नीचे उतरा था, तभी पीछे से एक चार पहिया गाड़ी आई, जिसमें से चार लोग उतरे, और उसके हाथ पैर को बांधकर गिरा दिए, एक व्यक्ति के द्वारा डंडे व पत्थर से भी चोट पहुंचाया गया फ़िर उनके द्वारा गाड़ी में रखे 13 लाख रुपए को तथा मोबाइल फोन को लूटकर भाग गये। जिनमें से एक लूटेरे का मोबाईल फोन डोडकचौरा ढाबा के पास गिरा मिला था। पुलिस के द्वारा ट्रक ड्राइवर का मेडिकल मुलाहिजा करा दिया गया है। पुलिस की सायबर टीम सीसीटीवी को खंगाल रही है, कुछ पुलिस की पार्टियां, झारखंड की ओर रवाना की गई है, हालांकि ड्राइवर के कथन में विरोधाभाष भी है, जैसे कि उसने बताया कि उसका हाथ बांधा गया था, परंतु हाथ में बांधने के कोई निशान नहीं है, उसके द्वारा यह भी बताया गया था कि उसके पैर में डंडे से व कमर पर पत्थर से प्रहार किया गया था, जबकि उसके मेडिकल मुलाहिजा में कोई चोट का निशान नहीं दिख रहा था, साथ ही उसने यह भी बताया था कि लुटेरों ने लूट करते समय, उसे जमीन पर गिरा दिया था, ड्राइवर के अनुसार उस वक्त सुबह के 6 बज रहे थे, अगर उसे गिराया गया होता तो निश्चित रूप से ओश के कारण कपड़े गीले रहते व घास फूस का कुछ अंश जरूर चिपके रहता, जबकि ऐसा नहीं था, ड्राइवर के द्वारा कभी सामने की ओर हाथ बांधना बता रहा है, कभी पीछे की ओर हाथ बांधना बताता है। पुलिस उसके बयान में आए विरोधाभासों का भी अध्ययन कर रही है, पुलिस की विवेचना का एक एंगल यह भी है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि प्रार्थी के बताए अनुसार पुलिस लूट की सभी संभावित एंगल पर प्रोफेशनल तरीके से काम कर रही है, पुलिस की कोशिश होगी, अगर घटना घटित हुई है, तो लुटेरों को जल्द पकड़ा जा सके।

रायपुर एयरपोर्ट से डाक थैलों का हवाई प्रेषण पुनः शुरू, स्पीड पोस्ट वितरण होगा और तेज

रायपुर। भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अधीन भारतीय डाक विभाग, छत्तीसगढ़ परिमंडल ने प्रदेश में डाक प्रेषण एवं वितरण व्यवस्था को और अधिक सशक्त, समयबद्ध तथा दक्ष बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्वामी विवेकानंद हवाईअड्डा, रायपुर (छत्तीसगढ़) से देश के विभिन्न शहरों के लिए आउटबाउंड कार्गो सेवा के माध्यम से डाक थैलों का प्रेषण पुन: आरंभ कर दिया गया है। भारतीय डाक विभाग और भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मध्य हुए समझौते के तहत यह हवाई प्रेषण सेवा 21 नवम्बर 2025 से फ़िर शुरू की गई है। इस व्यवस्था से छत्तीसगढ़ परिमंडल के विभिन्न डाकघरों से बुक किए जाने वाले स्पीड पोस्ट एवं स्पीड पोस्ट पार्सल की पारेषण गति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे प्रेषित स्पीड पोस्ट आर्टिकल संबंधित डाकघर तक शीघ्र पहुंचेंगे, जिससे अंतिम वितरण और अधिक तेजी व समयबद्धता के साथ सुनिश्चित हो सकेगा। वर्तमान में रायपुर से दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, भुवनेश्वर, इंदौर, पुणे और अहमदाबाद के लिए सीधे डाक प्रेषण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त रैम्प सुविधा के तहत गुवाहाटी, पटना, लखनऊ और कोच्ची के लिए भी डाक थैलों का परिवहन संचालित है। भारतीय डाक विभाग ने कहा है कि वह आधुनिक तकनीक, उन्नत लॉजिस्टिक्स और प्रशिक्षित मानव संसाधनों के समन्वय से सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल छत्तीसगढ़ के लाखों उपभोक्ताओं को तेज, भरोसेमंद और प्रभावी डाक सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

शराब के लिए पैसे नही देने पर मारपीट,तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। शराब पीने के लिए पैसे मांगने तथा देने से मना करने पर एक युवक के साथ मारपीट करने वाले तीन युवकों को बसंतपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना दिनांक से फरार चल रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.11.25 को अपने घर से मार्केट जा रहा था की गौरव पथ के पास तीन लोग मोटर सायकल में आकर मेरे पास आकर शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे पैसा नहीं देने पर हाथ मुक्को से मारने लगा जिस पर प्रार्थी द्वारा थाना आकर रिपोर्ट कराया गया जिस पर थाना बसंतपुर में धारा 296,115(2),351(2),119(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत् अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। प्रार्थी को आई चोट का मुलाहिजा कराया गया। मामले में थाना बसंतपुर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपींगणो के निश्चित ठिकानो पतासाजी कर तीनों आरोपी विजय लहरे पिता बरसन लहरे उम्र 19 साल निवासी कौरिनभाठा, पिन्टु मरकाम पिता सुरेश मरकाम उम्र 28 साल निवासी बसंतपुर थाना तथा विजय भारती पिता दुर्गा भारती उम्र 28 साल निवासी कौरिनभाठा थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव को हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया जुर्म करना स्वीकार किया जिन्हे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

चोरी के मामले में तीन नाबालिग पकड़ाये

रायपुर। जिले की थाना बसंतपुर पुलिस पुलिस के द्वारा चोरी के एक मामले में तीन नाबालिग बालकों को समेत चोरी का सामान खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक निर्माणधीन मकान से 30 बंडल केबल वायर चोरी किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रिपोर्ट दर्ज कराया कि साई दर्शन नगर में दिनांक 21.11.25 को रात्रि करीबन 12:30 के लगभग निर्माणाधीन मकान से 20-30 बंडल केबल वायर जिसकी कीमत लगभग 50000 रूपये को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया बताया जिस पर थाना बसंतपुर में धारा 331(4), 317 बीएनएस दर्ज किया गया। मामले में थाना बसंतपुर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए माल मुल्जिम की पत्तासाजी हेतु शहर के चौक चौराहे में लगए गए सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन पर तीन नाबालिग बालकों को पकड़कर पूछताछ किया गया। जिनके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किए तथा चोरी गए केबल वायर को जलाकर सागर पारा के पास कबाड़ी के दुकान में बेचना बताया।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने ग्राम जैसाकर्रा में किया इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण

50 लाख रूपए की लागत से तैयार किया गया है इंदरू केंवट नेचर पार्क

- वनांचल के लोग वनोपज के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें
- इंदरू केंवट नेचर पार्क जैसाकर्रा का निर्माण लगभग 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित

रायुपर/ संवाददाता

प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज चारामा के ग्राम जैसाकर्रा में स्थापित इंदरू केंवट नेचर पार्क का लोकार्पण किया। समारोह में विधायक भानुप्रतापपुर श्रीमती सावित्री मण्डावी भी मौजूद थी। चारामा वन परिक्षेत्र के ग्राम जैसाकर्रा में इस नेचर पार्क का निर्माण 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से किया गया है। नेचर पार्क के लोकार्पण अवसर पर संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह नेचर पार्क बहुत अच्छा बना है। भविष्य में इसका और विकास किया जाएगा। इसके विकास में नेचर को ध्यान रखे और कांक्रीट का ज्यादा उपयोग न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि हमारा बस्तर वनों से आच्छादित है। इसके महत्व को समझें और इसका संरक्षण करते हुए वनोपज के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करे। उल्लेखनीय है कि चारामा परिक्षेत्र के सिरसिदा बीट के कक्ष क्रमांक 1474 में वित्तीय वर्ष 2024-25 में पर्यावरण वानिकी मद से 49 लाख 85 हजार रूपए की लागत से इंदरू केंवट नेचर पार्क जैसाकर्रा का निर्माण किया गया है, जो लगभग दो हेक्टेयर वन भूमि में फैला है। पर्यावरणीय शिक्षा, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और प्रकृति संरक्षण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना तथा

स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकां और शोधार्थियों को प्रकृति के समीप लाना इसका मुख्य उद्देश्य है ताकि वे वन, वनस्पति, जीव-जंतु और पारिस्थितिकी के महत्व से अवगत हो सकें। नेचर पार्क में एक प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, पर्यटकों के लिए नेचर ट्रेल्स, लॉन एरिया, गार्डन, ओपन जिम, छोटे बच्चों हेतु प्ले एरिया, बैठने हेतु पैगोडा निर्माण, फव्वारा, शौचालय, पौधों की सिंचाई के लिए ओवरहेड टैंक एवं बंबू सैटम आदि का निर्माण किया गया है। यहां 40 प्रकार के फूलदार पौधे, 50 वृक्ष प्रजाति के पौधे, 20 प्रजाति के औषधीय पौधे तथा 17 प्रजाति के बांस के पौधों को रोपण किया गया है। इसका संचालन वन प्रबंधन समिति जैसाकर्रा द्वारा किया जाएगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती सावित्री मण्डावी ने कहा कि इंदरू केंवट नेचर पार्क का आज लोकार्पण हो रहा है, इस नेचर पार्क से आम लोगों को फायदा मिलेगा, साथ ही पर्यवरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा हम सब का दायित्व है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव, नगर पंचायत चारामा के अध्यक्ष श्री भुनेश्वर नागराज, मुख्य वन संरक्षक कांकेर श्री राजेश चंदेले, डी.एफओ. श्री रौनक गोयल, श्री आलोक ठाकुर, श्री टेकेश्वर जैन, श्री नरेन्द्र यादव, श्री नंदकुमार ओझा, सरपंच जैसाकर्रा श्री रविलाल नायक, एसडीएम चारामा श्री नरेंद्र बंजारा, अनुविभागीय अधिकारी वन श्री जसवीरसिंह मरावी, तहसीलदार श्री सत्येन्द्र शुक्ल सहित जनपद सदस्य, वन प्रबंधन समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

नगरीय निकायों में आइकॉनिक कार्यों के लिए 429.45 करोड़ के 26 कार्य मंजूर...

- योजना के तहत शहर के विकास का उदाहरण बनने वाले काम होंग :साव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के शहरों में आइकॉनिक विकास कार्यों के लिए राज्य शासन ने इस साल मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना शुरू की है। पहले चरण में इसे रा'य के सभी 14 नगर निगमों में लागू किया गया है। इसके तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना के विकास के बड़े काम मंजूर किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद योजना के अंतर्गत अब तक 13 नगर निगमों में 26 कार्यों के लिए 429 करोड़ 45 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इनमें मरीन ड्राइव विस्तार, आॅक्सीजोन-कम-स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, रोड जंक्शन, हाइटेक बस स्टैंड, ऑडिटोरियम, तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान विकास, जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण, कॉरीडोर निर्माण, गौरव पथ निर्माण, सड़क बाइपास एवं चौड़ीकरण जैसे वृहद कार्य शामिल हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। स्वीकृत कार्यों में से पांच कार्यों के लिए संबंधित फर्म्स को कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। वहीं पांच कार्यों का भूमिपूजन भी हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रा'य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के बारे में कहा कि इस योजना से शहरों के अधोसंरचना विकास में बड़ा बदलाव आएगा। शहरों के सतत् विकास और नागरिक केंद्रित समाधानों को ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के शहरों को आधुनिक, सुंदर और जीवंत बनाने में यह योजना प्रभावी साबित होगी। शहरों की सूरत और सीरत बदलने में इसकी अहम भूमिका होगी।उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बताया कि जीवंत शहरों के निर्माण और इज ऑफलीविंग के लिए इस साल के बजट में शामिल कार्ययोजना के अनुसार मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की गई है। पहले चरण में रा'य के सभी नगर निगमों को इसमें शामिल किया गया है। चरणबद्ध रूप से इसे सभी नगरीय निकायों में लागू किया जाएगा। योजना के माध्यम से शहरों में बढ़ती आबादी के मद्देनजर सुगम यातायात के लिए मुख्य सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण, बाइपास सड़क, फ्लाई-ओव्हर, सर्विस-लेन, अंडर-पास तथा अन्य बुनियादी ढांचों का विकास किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली देवकुमार की जिंदगी

- वर्षों की समस्याओं से मिला छुटकारा, पक्का आवास बना नई उम्मीद का आधार
- प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे लिए सिर्फएक योजना नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत है

रायपुर/ संवददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण छत्तीसगढ़ के हजारों परिवारों के लिए आशा की किरण बनी है। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम सुलसुली निवासी श्री देवकुमार का जीवन भी इस योजना के माध्यम से पूरी तरह बदल गया है। वर्षों से मिट्टी के जर्जर घर में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर श्री देवकुमार मजदूरी व खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते आए थे। बरसात के मौसम में उनके पुराने घर की छत से पानी टपकता था, दीवारें कमजोर थीं और हर मौसम उनके लिए चिंता और चुनौतियों का कारण बनता था लेकिन वर्ष 2024-25 की ग्राम सभा उनके जीवन में उम्मीद बनकर आई। सभा में जब उन्हें बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत उनके नाम से आवास स्वीकृत हो गया है, तो वे भावुक हो उठे। ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आवास निर्माण का कार्य तेजी से शुरू हुआ और आज उनका सपना पूरा हो चुका है। अब श्री देवकुमार अपने पक्के, मजबूत और सुंदर घर में परिवार के साथ सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। उनके घर में खुशी की नई रोशनी है और चेहरे पर आत्मविश्वास झलकता है। श्री देवकुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना मेरे लिए सिर्फएक योजना नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत है। अब मेरे बच्चों के सिर पर सुरक्षित छत है और मैं अपने परिवार को पक्के मकान में निश्चिंत होकर रख पा रहा हूं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का यह प्रभाव बताता है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं किस तरह जरूरतमंद परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं।

कांग्रेस में असभ्य भाषा का प्रयोग करने की मची है होड़-पाण्डेय.....

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं द्वारा जूते-चप्पल दिखाकर असभ्य भाषा के प्रयोग को कांग्रेस की पतित होती जा रही राजनीतिक संस्कृति का परिचायक बताया है। श्री पांडेय ने कहा कि लगातार हार से बौखलाई कांग्रेस के लोग अब सार्वजनिक रूप से अपने संस्कारों, आचरण और विचारों के पतन की पराकाष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस को अपने इस अलोकतांत्रिक व अमर्यादित आचरण के लिए प्रदेश की जनता से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेसियों ने संवैधानिक गरिमा को तार-तार कर जन

भावनाओं को अपमानित किया है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद श्री पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों ने अपने उन्हीं राजनीतिक संस्कारों का प्रदर्शन बिलासपुर में किया जो उन्हें केंद्रीय से लेकर प्रदेश नेतृत्व से विरासत में मिले हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर कहकर जिस असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया, उन्हीं शब्दों का प्रयोग आगे चलकर मोदी की मौत, मोदी की बोटी बोटी काटने तक जा पहुंची और अब राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति अशिष्टता की सारी हदें लांघ रहे हैं और इसकी पराकाष्ठा तब हुई जब बिहार में श्री मोदी की माताजी को दी गई अपशब्दों का प्रयोग पूरे देश ने देखी और सुनी। श्री पांडेय ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व की चापलूसी करके आलाकमान की नजर में अव्वल बने रहने के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी असंसदीय परंपरा को आगे बढ़ाया और उनकी देखा-देखी प्रदेश के कांग्रेस नेता और पदाधिकारी भी न केवल भाषा का संयम खो रहे हैं अपितु अशिष्ट आचरण की हदें पार कर रहे हैं।

बाईपास रोड में वाहन रोककर हुड़दंगबाजी करने वाले गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना कांकेर पुलिस ने बाईपास रोड में वाहन रोककर हुड़दंगबाजी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 27.11.2025 को यातायात शाखा कांकेर में पदस्थ सउनि महेश जैन को दौरान पेट्रोलिंग सूचना मिला कि बाईपास रोड़ कांकेर में कुछ लड़के वाहनों को रोककर चालको से गाली गलौच कर हुड़दंग कर रहे है कि सूचना तश्दीक पर यातायात स्टाफ प्र.आर. 182 विरेन्द्र भगत, प्र.आर. 308 संजय सिंह के साथ बाईपास रोड़ कांकेर पहुंचे पुलिस को देखकर लड़के भाग गये। आस पास वालो से लड़को का नाम, पता पूछने पर नाम रविन्द्र ठाकुर निवासी टिकरापारा कांकेर, कमल कोर्राम निवासी मनकेशी बताये पुलिस के द्वारा पता तलाश।

समर्थन मूल्य पर पारदर्शी धान खरीदी से बढ़ा किसानों का भरोसा

ऑनलाइन टोकन प्रणाली ने बनाई खरीदी प्रक्रिया और अधिक सुगम

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ सुचारू और पारदर्शी व्यवस्था के साथ हो चुका है। राज्य शासन द्वारा किसानों की समृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष खरीदी प्रणाली को और अधिक सरल, तकनीक-संचालित एवं पारदर्शी बनाया गया है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ किसानों को मिल रहा है। राज्य भर के उपार्जन केंद्रों में पहुंच रहे किसान नई व्यवस्था से संतोष जाहिर कर रहे हैं। बलरामपुर जिले के महराजगंज उपार्जन केंद्र में धान बेचने आए ग्राम खजुरी के किसान श्री सतीश गुप्ता ने बताया कि ऑनलाइन टोकन प्रणाली से खरीदी प्रक्रिया बेहद आसान हुई है। उन्होंने कहा कि अब अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती, निर्धारित समय पर सीधे तौल हो जाती है।श्री सतीश गुप्ता इस वर्ष 200 बोरी धान लेकर पहुंचे हैं और आगामी दिनों में 275 बोरी धान की बिक्री शेष है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 400 बोरी धान बेचा था, जबकि इस वर्ष बेहतर प्रबंधन और अनुकूल परिस्थितियों के कारण 75 बोरी अधिक उपज हुई है। वे बताते हैं कि पिछले वर्ष समय पर भुगतान मिलने से खेती के कार्यों में बड़ी मदद मिली थी। धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग वे खाद-बीज, कृषि कार्यों और पारिवारिक जरूरतों की पूर्ति में करते हैं। पिछले वर्ष की आय से उन्होंने ट्रैक्टर भी खरीदा है। इस वर्ष भी उन्हें त्वरित भुगतान की उम्मीद है। श्री गुप्ता ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत समय-समय पर मिलने वाले लाभों का भी उल्लेख किया और उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का सहयोग, पारदर्शी तौल-मापन, ऑनलाइन प्रक्रिया और अधिकारियों की निरंतर निगरानी से किसानों का विश्वास बढ़ा है। राज्य के विभिन्न जिलों से मिल रही प्रतिक्रियाओं के अनुसार, इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था पहले की तुलना में और अधिक सुव्यवस्थित है। त्वरित तौल,

समयबद्ध खरीदी, ऑनलाइन पारदर्शिता, स्पष्ट प्रक्रिया और प्रशासन की सघन मॉनिटरिंग से किसानों को अपनी मेहनत का उचित मूल्य समय पर मिल रहा है। किसानों का कहना है कि राज्य सरकार के प्रयासों से खरीदी प्रक्रिया सहज, सरल और भरोसेमंद बन गई है, जिससे धान उत्पादन और बिक्री के प्रति किसानों का उत्साह और बढ़ा है।

अवैध धान विक्रय के संगठित गिरोह का मामला उजागर

मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र नागपुर में अवैध धान विक्रय करते हुए कोचिया को गिरफ्तार किया गया हैं। जिससे अवैध धान विक्रय के संगठित प्रयास का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है। राजस्व अमले की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से शासन को लगभग तीन लाख रुपये की संभावित आर्थिक क्षति से बचा लिया गया। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 दिसंबर 2025 को दोपहर 2 बजे पटवारी हल्का नागपुर के साथ आगामी दिवस के लिए कटे हुए टोकनों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम लाई निवासी सोहन पिता रामसिंह से पूछताछ में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। सोहन ने बताया कि उसके खेत में केवल धान बीज का छिड़काव हुआ था, बोवाई, रोपाई और कटाई नहीं की गई थी, बावजूद इसके नागपुर निवासी संदीप जायसवाल उसके पास आया और कहा कि जब वहां बुलाए तो सोहन, समिति में आकर खड़ा हो जाए। इसके बदले संदीप ने उसे पैसे देने का लालच दिया और उसका बैंक पासबुक व एटीएम ले गया। यह संकेत साफ था कि किसी बड़े अवैध धान विक्रय की तैयारी की जा रही थी।

संपादकीय

अश्लील सामग्री से बचाने, सुप्रीम कोर्ट का आधार उम्र सत्यापन प्रस्ताव

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि बच्चों को ऑनलाइन अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री से बचाने के लिए उम्र की पुष्टि आधार से की जाए। इंटरनेट की स्वतंत्रता और सुरक्षा के बीच संतुलन चुनौतीपूर्ण है। रोजगार से लेकर पढ़ाई-लिखाई और मनोरंजन जैसी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर निर्भरता का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ा है। पिछले कुछ समय से इंटरनेट की असीमित दुनिया में पसरी वैसी सामग्री को लेकर एक व्यापक चिंता पैदा हुई है, जो बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व पर नकारात्मक असर डालती है, उनके सोचने-समझने की दिशा को बुरी तरह प्रभावित करती है। इसके मद्देनजर दुनिया के कई देशों ने अपने स्तर पर ऐसे नियम-कायदे भी बनाए हैं, जिनके जरिए सोशल मीडिया और इस तरह के अन्य इंटरनेट मंचों तक बच्चों और किशोरों की पहुंच को सीमित किया गया। भारत में भी इस मसले पर चिंता के स्वर उभरे हैं कि व्यापक उपयोगिता के समांतर इंटरनेट की निर्बाध दुनिया में मौजूद आपत्तिजनक सामग्री को लेकर एक ठोस नियमन हो, ताकि नाबालिगों को उसके नकारात्मक असर से बचाया जा सके। इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति अपने सोशल मीडिया खाते या वीडियो चैनल पर किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री तैयार करके जारी करता है, तो उसे रोकने को लेकर नियम-कायदे की भी कमी है। यही वजह है कि किशोरों या नाबालिगों सहित इंटरनेट की सुविधा रखने वाला हर व्यक्ति अलग-अलग मंचों पर उपलब्ध अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री तक भी आसान पहुंच रखता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि इस संबंध में एक स्वायत्त नियामक संस्था के गठन की जरूरत है, जो इस पर लगाम लगा सके। एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सुझाव के तौर पर यह भी कहा कि इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील या वयस्क प्रकृति की सामग्री को बच्चों से दूर रखने के लिए आधार नंबर से उम्र की पुष्टि करने पर विचार किया जाना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के तेजी से विस्तार के दौर में आसपास की दुनिया और व्यवस्थागत ढांचे में भी व्यापक बदलाव आ रहे हैं। रोजगार से लेकर पढ़ाई-लिखाई और मनोरंजन जैसी जरूरतों के लिए इंटरनेट पर निर्भरता का दायरा बहुत ज्यादा बढ़ा है। मुश्किल यह है कि जिस साइबर संसार ने जीवन को आसान बनाया है और अध्ययन तथा शोध से संबंधित मामलों में अपनी उपयोगिता साबित की है।

बहने से बिसराने तक की 'गैस गाथा'

प्रो. मनोज कुमार

चालीस बरस पहले भोपाल की में 'हवा में जहर' घुल गया था. यह जहरीली हवा जिंदा बस्तियों में बहने लगी. इस जहरीली गैस को नाम दिया गया 'मिक' यानि मिथाइल आइसोसाइनेट और इसे गर्भाधारण किया था अमेरिकी कंपनी यूनियन कार्बाइड ने. आँख, गला के जरिए शरीर के हर अंग में यह जहरीली हवा घुल गई. रात के घुप्प अँधेरे में घुली जहरीली गैस ने जैसे पूरी जिंदगी को जहरीला बना दिया. 2-3 दिसंबर की वह दरम्यानी भयावह रात जब एक-दूसरे को कुछ सूझ नहीं रहा था. आँखों के सामने अँधेरा, धडक़न रूक रही थी. जाड़े के दिनों में बिस्तरों में लुके-छिपे लोगों में अचानक बला की जान आ गई. एक शोर उठा पीछे से. भागो, जान बचाओ. गैस रिस गई है. जानलेवा गैस. पलक झपकते ही सैकड़ों लोग भागने लगे. एक-दूसरे पर गिरते-पड़ते जान बचाने के लिए दौड़ पड़े. अपनी अपनी धडक़न बचाने की जद्दोजहद में रिश्ते बेमानी हो गए. कोई पिता को छोडक़र भाग रहा था तो कोई बच्चे को. माँ को खबर नहीं, बहू पीछे छूट गई. बचपन में हमनिवाला भाई-बहिन एक-दूसरे का हाथ छुड़ाकर खुद की जान बचाने में जुट गए थे. यह खौफनाक मंजर था उस रात की.

हवा में बहती जहरीली गैस के खिलाफ पुराने भोपाल ने दौड़ लगा दी थी. कोई जयप्रकाश नगर से भाग रहा था तो किसी की टोली टीलाजमालपुरा से थी. आसपास के सारे मोहल्लेदार हवा में जहरीली गैस के विपरीत दिशा में भाग रहे थे. जिसे जो साधन मिला, उसी के हो गए. कौन छूटा और कौन साथ चल पड़ा, यह पलटकर देखने की फुर्सत किसी को नहीं थी. खाँसते, आँखें मलते लोगों से सीहोर-रायसेन जाने वाली सडक़ बेतरतीब भीड़ से भर गई. यह शिकायत बेनामी होगी कि कोई किसी का नहीं रहा. सच तो यह है कि वह वक्त किसी का नहीं था. जो भाग सके, भाग गए, जो जान बचा सके, वो बचा ले गए. पीछे मौत का मंजर था. लाशों का अंबार था. दिल दहलाने देने वाला मंजर. आँखों का पानी तो कब का सूख चुका था. आँसू आए भी तो कैसे? कहा गया कि यह दुनिया की भीषणतम औद्योगिक दुर्घटना थी. इसके पहले शायद ही दुनिया में कहीं इस तरह मौत का मातम मनाया गया हो.

यह भोपाल की खासियत है कि दिन बेहतर है तो रोज झगड़ेंगे लेकिन विपदा है तो मदद के लिए हजारों हाथ बढ़ जाएंगे. उस दिन भी वही हुआ. पुराना भोपाल और उसके वाशिंदे जार-जार रो रहे थे. उनके आँसू पोंछने के लिए भोपाल के हर कोने से हजारों हाथ मदद के लिए उठ खड़े हुए. जिन्हें बचा सकते थे, बचा लिए. हस्पताल लाशों और बीमारों से पट गया था. जहाँ-तहाँ पड़े हुए थे. आज चालीस साल बाद भी उस मनहूस रात को याद कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं. बहने से बिसराने तक की गैस गाथा में कई अहम पड़ाव हैं. थोड़ा पीछे पलटकर देखें तो लगेगा कि 'गैस गाथा' आगे पाठ, पीछे सपाट वाली कथा बनकर रह गई है. जिन इलाकों में गैस रिसी थी, वे बेबस थे, मजबूर थे. यूका के खिलाफ आवाज उठाना तो क्या अपनी मदद के लिए भी आवाज नहीं उठा पा रहे थे. दिसंबर की तारीख आगे बढऩे लगी. दर्द बेइंतहा था लेकिन इलाज मामूली. मरने वाले मर रहे थे, कुछ वहीं पर तो कुछ तिल-तिल कर लेकिन भोपाल की छाती को छलनी करने वाली यूका वैसे ही बेशर्म की

तरह मुस्कराता हुआ खड़ा था. हादसा बेबसी का ना होता और कोई दुर्घटना किसी आमफहम शहर में होती तो यूका की बिल्डिंग और इतराते गेस्टहाऊस को जमींदोज कर दिया जाता, जैसा गुस्साई भीड़ अक्सर कर दिया करती है. सत्ता के गठजोड़ ने यूका को बचा लिया.

खैर, इसके बाद शुरू हुआ 'राहत की गैस गाथा'. अंतरिम राहत के नाम पर छोटी-मोटी राशि लोगों को मरहम लगाने के नाम पर मिलने लगी. 'गैस गाथा' में प्रेमचंद की कहानी कफन् अपने आपको दोहरा रहा था. 'गैस गाथा' में कफनचोरों की निकल पड़ी. बड़ी संख्या में बेनामी लोग खुद को कागज में गैस पीड़ित बताकर मुआवजा माँगने लगे. यहां भी 'राहत की गैस गाथा' में वही हुआ, जो होता आया है. पहले-पहल तो अपने अपने वोट बैंक पक्का करने के लिए बड़े राजनेता वहाँ पहुँच कर श्रद्धांजलि अर्पित करते थे. शोकसभा का आयोजन होता था और आहिस्ता आहिस्ता 'राहत की गैस गाथा' अब मुआवजे तक सिमट गया. इस 'गैस गाथा' में कई संवेदनशील और मानवीय प्रसंग भी सुनने और देखने को मिला. उस समय का एक कडुआ सच यह भी था कि गैस रिसी पुराने भोपाल में और अफवाह पहुँची भोपाल के कोने-कोने में. इसके बाद डर और जिंदगी बचाने की जद्दोजहद ने पूरा मंजर ही बदल दिया. उस समय के चश्मदीद बताते हैं कि इस अफवाह का शिकार एक नवविवाहित दंपति भी हुआ. पति बाथरूम में था और पत्नी उसका इंतजार में बैठी थी तभी 'गैस गाथा' के साथ पहुँची भीड़ ने उस नवविवाहिता को कहा कि अपनी जान बचाओ. वह कहने लगी, मेरे पति को आने दें लेकिन भीड़ ने नहीं सुना और उसे अपने साथ ले गई. कोई घंटा भर ना बीता होगा, अफवाह की धुँध छटी और वह वापस घर पहुँची. 'गैस गाथा' ने इस परिवार की खुशी को भी निगल लिया. आहत पति ने फरमान सुना दिया कि-जब वह चंद मिनट उसकी प्रतीक्षा नहीं कर सकती तो जीवन का साथ कैसे चलेगा. स्वाभाविक रूप से 'गैस गाथा' की अफवाह ने जिंदगी शुरू होने से पहले ही उसे मार दिया. ऐसे अनेक प्रसंग उस दरम्यान गुजरे.

'गैस गाथा' का सबसे अहम किरदार मेरी रिपोर्टिंग में सुनील राजपूत मिला. उसने बताया था कि इस हादसे में उसके परिवार के 11 जनों की मौत हुई थी. एक छोटे भाई और एक छोटी बहन के साथ वह बच गया था. 'गैस गाथा' के वक्त सुनील कोई नौ बरस का था. वह अमेरिका तक गवाही देने गया. पूरे परिवार की अंतरिम राहत के रूप में लाखों रुपये मिले. भोपाल से अमेरिका पहुँचते-पहुँचते तक 9 बरस का सुनील सयाना हो गया था. पैसों की चकाचौंध ने उसका बचपन छीन लिया था. वह चालाक हो गया था. साल-दर-साल उसका लालच बढ़ता गया. लालच में उसने अपनी छोटे भाई-बहिन को जलाने की कोशिश की. वह गलत सोहबत में भी पड़ गया था. हालाँकि समय गुजरने के साथ वह बदलने लगा. अपने छोटे-भाई बहिन को खुशहाल जिंदगी देने की कोशिश की. इस सब में वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठा था. 'गैस गाथा' भी बदलने लगी. राहत राशि से सौदा-सुलह बढ़ गया.

इन सबके बीच 'गैस गाथा' का चालीसवां भी होने को आ गया. इन चालीस सालों में यक्ष प्रश्न की तरह यूका का कचरा पड़ा रहा. जहरीली गैस बहने से लेकर बिसराने तक विवादों का लंबा सिलसिला चल पड़ा. 'गैस गाथा' का यह डरावना पक्ष था कि जितनी तबाही जहरीली हवा ने की थी, उससे कहीं अधिक तबाही का डर इस जहरीले कचरे से था. सरकार, जनता और अदालत से होता हुआ 'गैस गाथा' को बिसराने का समय आ गया था. अदालती आदेश के बाद पीथमपुर में जहरीले कचरे कें निपटान के लिए सहमति बनी. इसे लेकर अनेक तरह की आशंकाएँ व्यक्त की गई लेकिन परीक्षण और जाँच के बाद सर्तकता के साथ बिसरा दिया गया. 'गैस गाथा' का यह अहम पड़ाव था. कल तक भोपाल भयभीत था, अब पीथमपुर में 'जहर का डर' समा गया था. 'गैस गाथा' का चालीसवां होने के साथ फौरीतौर पर 'एंड' मान लिया जाए लेकिन 'एंडरसन गाथा' इतिहास के काले पन्ने में दर्ज है. 'गैस गाथा' ने झीलों के शहर को दर्द के ऐसे सैलाब में डुबो दिया है कि चालीस क्या, चार सौ साल बाद भी जख्म दुखते रहेंगे. (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

प्रधानमंत्री के मन की बात बन सकती है मोहन यादव की स्तुत्य पहल

कृष्णमोहन झा

समाज में वर्षों से यह आम धारणा बनी हुई है कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों में उन्हीं जोड़ों के विवाह संपन्न होते हैं जिनके परिजनों के समक्ष कोई आर्थिक विवशता होती है । मध्यप्रदेश में इस धारणा को तोड़ने की जो स्तुत्य पहल राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की उसने सारे देश का ध्यान आकर्षित किया है। गत दिवस महाकाल की पावन नगरी में संपन्न सामाजिक विवाह सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के सात फेरे लिए उनमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वितीय सुपुत्र डा अभिमन्यु यादव भी शामिल थे जो इस बहुचर्चित सामूहिक विवाह सम्मेलन में डा इशिता पटेल के साथ परिणय सूत्र में आबद्ध हुए।संपूर्ण विधि विधान के साथ पुनीत वैदिक रीति कर्म के अनुसार सभी जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराने के लिए इस सम्मेलन में सुविख्यात योगगुरु बाबा रामदेव की उपस्थिति ने इस अनूठे कार्यक्रम को महिमा मंडित कर दिया।इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज एवं जूना अखाड़ा के स्वामी हरि गिरि ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद स्वरूप एक एक लाख रुपए की राशि प्रदान करने की घोषणा की । यूं तो इस गरिमामय समारोह में नवदम्पत्तियों को शुभाशीष प्रदान करने के लिए बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री एवं प्रमुख साधु-संत, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित अनेक मंत्री, राजनेता , समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई परन्तु सभी अतिथियों की एक जैसी आवभगत की गई। आतिथ्य में किसी भी स्तर पर भेदभाव की झलक भी दिखाई नहीं दी। सम्मेलन स्थल की सादगी एवं समरसता को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सम्मेलन के व्यवस्थापकों से विवाह सम्मेलन को भव्यता प्रदान करने से परहेज करने के लिए पहले ही निर्देशित कर रखा था। मुख्यमंत्री मोहन यादव इस सम्मेलन में विवाह की हर रस्म में एक सामान्य पिता की तरह नजर आ रहे थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जितने सहज सरल दिखाई दे रहे थे उसे देखकर किसी अनजान व्यक्ति के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सम्मेलन में किसी प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री की बेटे की भी शादी रही थी। मुख्यमंत्री की सादगी और सरलता ने सबको अभिभूत कर दिया था। सर्वत्र अपने मिलनसार स्वभाव के लिए विख्यात मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रत्येक अतिथि से खुद आगे बढ़कर मिल रहे थे। सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के साथ फेरे लिए उन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी शुभकामनाएं और शुभाशीष देते हुए कहा कि ये सभी मेरे बेटे बेटी हैं।

पिछले कुछ वर्षों से देश में महंगे विवाह समारोहों के आयोजनों में जिस तरह अतुल्य वैभव और शान-शौकत के प्रदर्शन का फैशन चल पड़ा है उन सबके बीच मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की यह पहल निःसंदेह अनुकरणीय है । इसके माध्यम से वे यह संदेश देने में भी पूरी तरह सफल हुए हैं कि समाज के हर वर्ग में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजनों को प्रोत्साहन किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि अपने बेटे बेटी की धूमधाम से शादी करना हर माता-पिता का अधिकार है परन्तु शादी के पावन संस्कार को यदि इवेंट का रूप दे दिया जाए तो कहीं न कहीं विवाह संस्था भी प्रभावित होती है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में अत्यंत सादगी के साथ अपने बेटे का विवाह संस्कार संपन्न कराने की जो पहल मोहन यादव ने की उसमें यह संदेश भी छुपा हुआ है कि धनकुबेर माता पिता अपनी संतान की शादी में वैभव का प्रदर्शन करने के लिए जो धनराशि पैसों की तरह बहाने में संकोच नहीं करते वे अगर उस धनराशि का एक छोटा सा अंश गरीब बेटे बेटियों की शादी पर खर्च करने का मन बना लें तो वे न जाने कितने गरीब परिवारों की शुभकामनाओं के पात्र सकते हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अगर चाहते तो अपने बेटे की शादी के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन का पंडाल चुनने के बजाय किसी महानगर की भव्य पांच या सात सितारा होटल का चयन कर सकते थे और ऐसी कोई भी होटल या रिसोर्ट उन्हें सुगमता से उपलब्ध भी हो सकती थी परन्तु उन्हें सामूहिक विवाह सम्मेलन स्थल का चयन करके यह संदेश देना पसंद किया कि मुख्यमंत्री पिता कहलाने की बजाय केवल पिता कहलाना ज्यादा पसंद है। मोहन यादव अब देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं जिन्होंने अपने उच्च शिक्षित बेटे के विवाह संस्कार के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रांगण चुना । मैं समझता हूं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस स्तुत्य पहल का उल्लेख अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को प्रसारित होने ÷ वाले मन की बात ÷ कार्यक्रम में करें तो यह सिलसिला तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री के उक्त प्रेरणादायक संबोधन में मुख्य मंत्री मोहन यादव के बेटे की सादगी पूर्ण शादी का उल्लेख कर महंगी शादियों में होने वाली फिजूल खर्ची और धन की बर्बादी को रोकने के लिए बड़े बड़े धनकुबेरों को प्रेरित कर सकते हैं। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महाकाल की नगरी में पुण्य सलिला क्षिप्रा के तट से जो स्तुत्य पहल की है उसे एक अभियान के रूप में जारी रखने की आवश्यकता है जिसमें देश के सभी राज्यों की सरकारों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्या एआई का बुलबुला फूटेगा? फिलहाल बदलाव लाने की इसकी ताकत पर भरोसा किया जा सकता है

(ज्योति भास्कर)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का बुलबुला फूटे या न फूटे, लेकिन बदलाव लाने की इसकी ताकत पर भरोसा किया जा सकता है। यह चिंता वाजिब है कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों की आसमान छूती वैल्यूएशन एक ऐसा बुलबुला है, जो फट जाएगा और आपके रिटायरमेंट पर कहर बरपाएगा। बुलबुले का फूटना सच में दर्दनाक हो सकता है। लेकिन क्या होगा अगर हम एक ऐसी स्थिति में हों, जब कंपनी की कीमत उसकी फंडामेंटल वैल्यू से ऊपर चली जाए, जो हमारी अर्थव्यवस्था को असल में बेहतर जगह पर ले जाए? बुलबुले तब बढ़ते हैं, जब निवेशक (जो अक्सर जोश में झुंड जैसा व्यवहार करते हैं) वैल्यूएशन को जमीनी स्तर पर जरूरी चीजों से कहीं ज्यादा बढ़ा देते हैं। लेकिन, एआई का जोश, जैसा कि एनविडिया की जबर्दस्त कमाई में देखा गया, पूरी अर्थव्यवस्था में होने वाले बदलाव को सही दिखाता है। अगर कुछ ही दांव हजार गुना रिटर्न दे सकते हैं, तो कई दांवों पर सब कुछ गंवाने का जोखिम लेना आर्थिक रूप से सही नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि एआई का बुलबुला नहीं फूटेगा। निवेशकों और सरकारों ने रेस के घोड़े के एक समूह पर दांव लगाया है, जिनमें से कुछ ही जीतेंगे। प्रतिस्पर्धा खुद ऐसे नवाचार लाएगी, जिनसे कई लोगों के लिए बहुत बेहतर नतीजे निकल सकते हैं, जो आमतौर पर नहीं होते। यह बुलबुला इसलिए नहीं फूटेगा, कि निवेशक एआई को ज्यादा आंक रहे हैं, बल्कि इन तीन वजहों से फूटेगा- सबसे पहले, उन सभी टेक कंपनियों के बारे में सोचें, जो नए मॉडल पर काम कर रही हैं, यानी बड़ी कंपनियों के बीच हथियारों की होड़। सभी कामयाब नहीं होंगी, खासकर तब, जब जरूरी फंड बढ़ रहे हैं। गूगल व माइक्रोसॉफ्ट अपने रेवेन्यू जेनरेटर पर निर्भर रह सकते हैं, लेकिन दूसरी कंपनियों को डेट फंडिंग या सर्कुलर फाइनेंसिंग पर और भी ज्यादा निर्भर रहना होगा, जो टिकाऊ साबित नहीं होगा। दूसरा, सोने की होड़ खोजकर्ताओं को आकर्षित करती है। कंपनियां आम सर्विस पर एआई का लेबल लगा देती हैं, जिससे कम जानकारी वाले निवेशक आकर्षित होते हैं। यह 1990 के दशक के

आखिर के डॉट कॉम बुलबुले की याद दिलाती है, जब किसी स्टार्टअप के नाम में 'डॉट कॉम' जोड़ना आखिर में धोखा देने वाली वैल्यूएशन का शॉर्ट-कट था। तीसरा, बाहरी घटनाओं से कुछ कंपनियां पटरी से उतर सकती हैं। इनमें अचानक नियामकीय बदलाव, बुरे लोग, एआई आपूर्ति श्रृंखला में भू-राजनीतिक दिक्कतें और बड़े पैमाने पर एआई को अपनाने में कमी शामिल हो सकती है। इनमें से कोई भी चीज कंपनियों की राजस्व कमाने की काबिलियत में रुकावट डालेगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ बड़े टेक नामों की तरफ आकर्षित हुए निवेशकों ने इंडेक्स फंड्स समेत इन्वेस्टमेंट व्हीकल्स में बहुत ज्यादा खरीदारी की है। यह देखना आसान है कि इसका अंत कितना बुरा होगा। लेकिन क्या होगा, अगर बुलबुला एक क्रांतिकारी टूल को विकसित करने और अपनाने का जरूरी हिस्सा हो, जो उत्पादकता और विकास को असल में बेहतर बनाए? एआई एक ऐसी तकनीक है, जो शायद कई आर्थिक गतिविधियों को पूरी तरह से बदल देगी। एआई खासतौर पर स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में नई खोजों के लिए तैयार है। इस तरह के फायदों से अर्थव्यवस्था बिना महंगाई बढ़ाए तेजी से बढ़ेगी, जिसे अर्थशास्त्री नॉन-इन्फ्लेशनरी ग्रोथ के लिए 'गति-सीमा' बढ़ाना कहते हैं। बढ़ी हुई उत्पादकता और एक बड़ी अर्थव्यवस्था हमें उन समस्याओं को हल करने के ज्यादा मौके देती है, जो एक पीढ़ी अपनी भावी पीढ़ियों के लिए छोड़ रही है- ज्यादा कर्ज, जलवायु परिवर्तन और अधिक आय असमानता। एआई में निवेश करने के बहुत फायदे हैं। निवेशकों के अनुसार, ज्यादा निवेश करने से पीछे रह जाना ज्यादा नुकसानदायक है, और उन्हें कुछ खोने का डर है। उनके नजरिये से, जिसे कुछ लोग बहुत ज्यादा खर्च मान सकते हैं, वह असल में एक सोचा-समझा पोर्टफोलियो प्ले है, जो प्रतिस्पर्धा व नवाचार को बढ़ावा देता है। आर्थिक भलाई के लिए मेरी उम्मीद आज सिर्फ एआई की काबिलियत पर आधारित है। फिर भी, आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस की खोज यह पक्का करती है कि यह सीमा स्थिर नहीं है; यह आगे बढ़ती रहेगी, और ऐसे विकास का वादा करेगी, जिन्हें अभी पूरी तरह समझना मुश्किल है। इनमें रोबोटिक्स, लाइफ साइंस और आखिर में क्वांटम कंप्यूटिंग में नवाचार के साथ एआई का संयोजन शामिल होगा। एआई की बदलाव लाने वाली ताकत पर भरोसा सही है। इसके नतीजे में पूंजी की बाढ़ एक तार्किक जवाब है। बेशक कुछ लोग नुकसान में रहेंगे, लेकिन कुल मिलाकर, हम बहुत बेहतर हालत में होंगे।

डैल-ई 3 डैल-ई 3 ओपनएआई द्वारा विकसित एक बेहद उन्नत एआई इमेज जनरेशन टूल है। यह किसी टेक्स्ट को आसानी से समझकर उससे जुड़ी शानदार और बेहद सटीक तस्वीरें बना सकता है। इसमें बस एक विस्तृत टेक्स्ट प्रॉम्प्ट (निर्देश) डालना होता है और यह ठीक उसी तरह की छवि तैयार कर देता है जैसी उपयोगकर्ता चाहता है। इसकी खासियत है कि यह छोटे-से-छोटे विवरण-जैसे रंग, माहौल, बैकग्राउंड, स्टाइल, आदि को भी समझ लेता है, और उन्हें तस्वीर में बेहद बारीकी व खूबसूरती से शामिल करता है। इसकी मदद से तस्वीर के किसी खास हिस्से पर क्लिक करके उसे बदला, हटाया या उसमें सुधार भी किया जा सकता है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

त्वरित कार्रवाई का मिला आश्वासन

एनएमडीसी सीएमडी के बचेली प्रवास के दौरान खदान मजदूर संघ ने श्रमिक हितों के लिए विविध मांग करते हुए सौंपा ज्ञापन

बचेली। विश्व की सबसे बड़ी श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध खदान मजदूर संघ शाखा बचेली के अध्यक्ष दीप शंकर देवांगन, सचिव सुरेश तामो के नेतृत्व में एनएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी को उनके बचेली प्रवास के दौरान श्रमिकों के हितार्थ 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया, जिसमें प्रमुख रूप से वेतन समझौता जो कि सन् 2022 से लंबित है,इसे यथाशीघ्र अंतिम रूप प्रदान कर लागू किया करने, पुनरीक्षित वेतन एरियर की शेष राशि का तत्काल भुगतान करने, ठेका श्रमिकों का नया वेतनमान यथाशीघ्र लागू करने, खदान मजदूर संघ की गतिविधियों के संचालन हेतु कार्यालय भवन का आबंटन किये जाने, जैसे अन्य दोनो श्रमिक संगठनों के सदस्यों को परियोजना के बाहर प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु भेजा जाता है, वैसे ही एवं उतने अनुपात में खदान मजदूर संघ के सदस्यों के साथ ठेका श्रमिको को भी अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराए जाने, ठेका श्रमिको का एनएमडीसी के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान होता है अतः उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएँ जैसे कि चिकित्सा उपचार हेतु परियोजना चिकित्सालय के अलावा अग्रिम उपचार हेतु सर्व सुविधायुक्त चिकित्सालय में रेफर की सुविधा प्रदान करने, बुधवार के साप्ताहिक अवकाश को परिवर्तित कर रविवार किए जाने के कारण जिन कर्मचारियों का रविवार साप्ताहिक अवकाश है उनको शासकीय व्यक्तिगत कार्य हेतु अतिरिक्त अवकाश लेना पडता है कृपया उक्त आदेश को निरस्त कर पूर्ववत बुधवार को ही साप्ताहिक अवकाश बहाल किये जाने, बचेली परियोजना के छनन संयंत्र नि-05 के कर्मचारी स्वर्गीय शिवकुमार उइके की दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए सारे सुरक्षा नियमों को प्राथमिकता देते हुए संयंत्र के सभी कन्वेयरों के दोनो ओर सेफ्टी गार्ड लगाए जाने के साथ ही संयंत्र के भीतर नियमित रख-रखाव व स्वच्छता हेतु पर्याप्त सफाई कर्मियों की नियुक्ति की जाए। यदि वर्तमान में सफाई कर्मियों की संख्या अपर्याप्त हैं, तो नए कर्मियों की नियुक्ति किये जाने। स्वर्गीय शिवकुमार उइके के ऑन ड्यूटी दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु के कारण उनके परिजनों को अतिशीघ्र नियमानुसार मुआवजा एवं नौकरी प्रदाय करने, जिस प्रकार चिकित्सा उचार एवं कर्मचारियों के बच्चों के कार्य से एनएमडीसी द्वारा वाहन (बस) की सुविधा विशाखपट्टनम एवं हैदराबाद प्रारंभ किया गया है उसी प्रकार रायपुर भिलाई एवं बिलासपुर हेतु भी सुविधा प्रारंभ करने, एनएमडीसी के नये लक्ष्य 100 मि.टन का पूर्ण करने हेतु ऐसे अधिकारियों को परियोजना से बाहर किया जाए जो उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में माहौल को खराब कर रूकावट बन रहे है। उपरोक्त मांगो पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक द्वारा दिया गया। इस अवसर पर खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा बचेली के सहसचिव अमित देवांगन, संगठन सचिव मुरलीधर रावटे, मनीलाल उपस्थित थे।

महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स डे जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

कोण्डागांव। महाविद्यालय में आज रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स डे जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भ्ट/।प्वै के प्रति सही जानकारी, सुरक्षित व्यवहार और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। अपने संबोधन में प्राचार्य महोदय ने कहा कि एड्स से बचाव का सबसे मूलभूत साधन जागरूकता है। युवाओं को तथ्यों पर आधारित जानकारी अपनाकर सुरक्षित और जिम्मेदार व्यवहार करना चाहिए। उनके उद्बोधन ने छात्रों में जागरूकता और सकारात्मक सोच को मजबूत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संतोष ठाकुर ने एड्स के कारण, फैलने के तरीके, रोकथाम एवं समाज में व्याप्त भ्रांतियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक जानकारी और सुरक्षित व्यवहार अपनाकर इस बीमारी से प्रभावी रूप से बचाव किया जा सकता है। उनका संबोधन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सही जानकारी और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाने की दिशा में प्रेरित करने हेतु जागरूकता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी छात्रों ने सुरक्षित व्यवहार अपनाने, सही जानकारी को समाज तक पहुँचाने और किसी भी प्रकार के भेदभाव का विरोध करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किरण नुरूटी, डॉ. पुरोहित सोरी, रूपा सोरी तथा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। रेड रिबन क्लब के प्रभारी समलेश पोटाई ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न गतिविधियों का सफल संचालन किया।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का भव्य आयोजन विधायक लता उसेंडी ने की कार्यक्रम की शुरुआत

कोण्डागांव। समाज कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज बुधवार को स्थानीय छब्ब् मैदान में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में दिव्यांगजन एवं स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कृत्रिम अंग निर्माण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणजन भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी शामिल हुईं। उन्होंने समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जस केतु उसेंडी सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। खेलकूद प्रतियोगिता के तहत आयोजित ट्राइसिकल दौड़ को विधायक लता उसेंडी ने हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया। वहीं, दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम हाथ-पैर तैयार करने के उद्देश्य से जयपुर की तकनीकी टीम जगदलपुर से पहुंची थी, जिसने मौके पर ही जरूरतमंदों के लिए कृत्रिम अंगों का निर्माण किया। इस प्रक्रिया का निरीक्षण विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने स्वयं किया। अपने संबोधन में विधायक उसेंडी ने दिव्यांगजनों के लिए सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं, सहायता राशि तथा उपलब्ध लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजन एवं प्रतिभागी बच्चों के उत्साह से मैदान में उत्सवपूर्ण माहौल बना रहा।

आदिवासियों की पैतृक जमीन पर साजिश : बीजापुर में आदिवासी के जमीनों को बड़े पैमाने पर हड़पने का गंभीर आरोप

■ विधायक विक्रम मंडावी ने उठाए सवाल कहा 'आदिवासियों की जमीने कैसे हड़पी जा रही है' ?

बीजापुर। बस्तर संभाग के आदिवासी बहुल जिले बीजापुर में संविधान की पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून और पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम लागू होने के बावजूद आदिवासियों की बेशकीमती पैतृक जमीनों को सुनियोजित ढंग से हड़पा जा रहा है। इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब बुधवार को जिला मुख्यालय में विधायक विक्रम मंडावी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार पर खुलेआम आदिवासियों की जमीन लुटने देने का सनसनीखेज आरोप लगाया। विधायक मंडावी ने कहा, बीजापुर जिला अनुसूचित क्षेत्र है। यहाँ आदिवासी अपनी मिट्टी को माँ कहकर पूजते हैं। लेकिन आज छल, कपट और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए उनकी सदियों पुरानी पैतृक जमीनें गैर-आदिवासियों के नाम की जा रही हैं। यह सिर्फ जमीन का मामला नहीं, आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अस्तित्व पर सीधा हमला है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि तहसील उसूर के ग्राम संकनपल्ली में आदिवासी परिवारों की लगभग 41 हेक्टेयर से अधिक बहुमूल्य कृषि भूमि को पहले एक गैर-आदिवासी रामसिंग पिता बुधराम यादव (जाति रावत) ने अपने नाम कर लिया और फिर उसे जगदलपुर निवासी कमलदेव झा व अन्य को को बेच दिया। विधायक ने कहा संकनपल्ली के ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि जिन खसरा नंबरों की जमीन इस सौदे में शामिल की गई, वे मूल रूप से निम्नलिखित आदिवासी परिवारों के नाम दर्ज है जो इस प्रकार हैं- 1. खसरा 314 (5.634 हे.) - बतक्का यालम 2. खसरा 400 (5.831 हे.)- यालम लक्ष्मीनारायण, कामेश यालम 3. खसरा 435 (6.144 हे.) - यालम लक्ष्मीनारायण 4. खसरा 437 (5.843 हे.) - धरमैया यालम, पवन, राजैया, गौरैया 5. खसरा 613 (4.897 हे.) - बसवैया जव्वा 6. खसरा 648/3 (2.023 हे.) - शांता जव्वा, मोहन

जव्वा 7. खसरा 650/2 (0.809 हे.) - दशरथ जव्वा, कामेश जव्वा 8. खसरा 651/3 (1.214 हे.) - नागैया यालम 9. खसरा 631 (4.076 हे.) - बिचमैया टिंगे, चलमैया, शिवैया 10. खसरा 658/2 (5.031 हे.) - हनुमंत यालम, शंकर, सम्मैया आदि इन सभी खसरा मालिकों के नाम स्पष्ट रूप से आदिवासी हैं और ये जमीनें पीढ़ी-दर-पीढ़ी से उनके पास हैं। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि भूमाफियाओ द्वारा संकनपल्ली के जमीनों को सबसे पहले रामसिंग यादव के नाम कराई गई जो संकनपल्ली गांव का रहने वाला है। फिर रामसिंग ने अपने नाम की जमीन को जगदलपुर के कमलदेव झा व अन्य दो को बेच दिया इसके बाद तहसीलदार उसूर ने बिना किसी जांच-पड़ताल के जमीन के दस्तावेज तैयार करवा दिए, अब क्रेता कमलदेव झा व अन्य दो पटवारी पर दबाव डाल रहे है कि उनकी जमीन को कंप्यूटर में ऑनलाइन कर दिया जाए। विक्रम मंडावी आगे कहा कि सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम की भनक गांव के किसी भी व्यक्ति को नहीं लगी। न ग्राम सभा को सूचना, न पंचायत को खबर मिली पूरी प्रक्रिया को गुपचुप तरीके से किया गया।

विधायक विक्रम मंडावी ने सवाल पूछते हुए कहा- 1. कमलदेव झा आखिर है कौन? वह गैर-आदिवासी है, फिर पांचवीं अनुसूची वाले क्षेत्र में इतनी बड़ी आदिवासी जमीन उसके नाम कैसे हो गई? 2. एक साथ दर्जनों खसरा नंबरों की इतनी बड़ी जमीन एक व्यक्ति ने कैसे खरीद ली और एक ही झटके में बेच दी? 3. तहसीलदार, पटवारी और उप-पंजीयक ने बिना किसी वैध अनुमति और ग्राम सभा की सहमति के नामांतरण और रजिस्ट्री कैसे कर दी? 4. क्रेता अब पटवारी पर जमीनों के दस्तावेजों को कंप्यूटर में ऑनलाइन दर्ज करने दबाव क्यों डाल रहे हैं? क्या आगे और बड़ी साजिश रची जा रही है?

विधायक विक्रम मंडावी ने सरकार से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच हो। दोषी अधिकारी एवं गैर-आदिवासी भूमाफिया पर तत्काल एफआईआर दर्ज हो। सभी अवैध रजिस्ट्रियां एवं नामांतरण रद्द किए जाएं। आदिवासियों की पैतृक जमीन उन्हें तत्काल वापस दिलाई जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाया जाए। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यदि उनकी जमीन नहीं लौटाई गई तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। यह मामला सिर्फ संकनपल्ली गांव का नहीं, पूरे बस्तर के आदिवासियों के अस्तित्व का सवाल बन चुका है। प्रेस वार्ता के दौरान पीड़ित लोगों के साथ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, पीसीसी सदस्य आर. वेणुगोपाल राव, ज्योति कुमार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रवीण डोंगरें, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उसूर के अध्यक्ष मनोज अवलम, जिला महामंत्री जितेंद्र हेमला, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर, बीजापुर नगर कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री, एजाज सिद्दीकी, पार्षद बबीता झाड़ी, कविता यादव, बोधि ताती, श्यामू गुप्ता और लक्ष्मण कड़ती सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम सलना में 550 बोरी धान जब्त

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025 अंतर्गत धान खरीदी के दौरान धान के अवैध परिवहन और भण्डारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम सलना में 550 धान की बोरी अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्ती की कार्यवाही की गई है। खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार की सुबह ग्राम सलना नाका के आगे भारत माला परियोजना के समीप खाद्य विभाग और मंडी विभाग के उड़न दस्ता दल गुलशन नन्द ठाकुर खाद्य निरीक्षक, मिनेश वर्मा खाद्य निरिक्षक, मुकेश कश्यप मंडी निरीक्षक द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक सीजी 08 एल2563 में कुल 550 बोरा धान का बैक डेट के अनुग्या के अवैध परिवहन करते पाया गया। उक्त धान को अवैध ढंग से खपाने को लेकर अग्रिम जाँच तक पुलिस थाना विश्रामपुरी को सपुर्द कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

'प्राकृतिक आपदा पीड़ित के वारिस को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि'

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के प्रकरण में वारिस को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी। कलेक्टर द्वारा कोण्डागांव तहसील के भेलवापदर वार्ड निवासी जानादई की दीवार गिरने से दबकर मृत्यु होने पर भाई शंकर नेताम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिस के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदार को दिए गए हैं।

ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन, साइबर क्राइम के रोकथाम व नशा मुक्त भारत अभियान एवं अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी दी गई

कोण्डागांव। पंकज चंद्रा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस)रूपेश कुमार (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में ग्राम मालगांव साप्ताहिक बाजार में आये ग्रामीणों को थाना अनंतपुर पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराध, बाल अपराध एवं लैंगिक अपराध की जानकारी, महिलाओं की सुरक्षा, नये कानून की जानकारी, अपराध की रोकथाम व नशा मुक्त भारत अभियान, अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी दी गई, ग्रामीणों को साइबर अपराध जैसे- अनजान व्यक्ति को ओ.टी.पी. शेयर न करना, अनजान से व्हाटऐप कॉलिंग न करना, करोड़ पति लॉटरी के झांसा में न आना संबंधी जानकारी दिया गया और कोई ठगी हो जाने पर टोल फ्री नंबर 1930 में कॉल करके सूचना देने, गांव में किसी अनजान व्यक्ति के आने पर थाना में सूचना देना एवं यातायात संबंधी जानकारी दी गई, जिसमें वाहन में रखे जाने वाले दस्तावेजों आरसी बुक, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, पोलूशन, परमिट के संबंध में बताया गया व तेज गति से वाहन नहीं चलाने एवं दो पहिया वाहन चलाते समय हेल्मेट पहनने तथा चार पहिया वाहन को चलाते समय सीट बेल्ट लगाकर चलाने समझाईश दिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना अनंतपुर क्षेत्र में थाना स्टाफ के द्वारा लगातार भ्रमण कर किरायेदारों की चेकिंग एवं मुसाफिर चेकिंग की जा रही है अब तक 72 किरायेदारों सत्यापन किया गया है एवं अन्य क्षेत्रों से आने वाले मुसाफिरों एवं फेरी वालों से पूछताछ कर मुसाफिर रजिस्टर में इंद्राज किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव के निर्देशानुसार सुपोषण चौपाल का सफल आयोजन

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा के निर्देशानुसार, 2 दिसंबर को पुलिस लाईन परिसर, चिखलपुटटी, कोण्डागांव में रक्षित केन्द्र कोण्डागांव के सहयोग से महिला एवं बाल विकास विभाग, कोण्डागांव द्वारा सुपोषण चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस लाईन परिसर की लगभग 100 महिलाएं/बच्चे एवं पुलिस के जवान शामिल हुए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं को पोषण आहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, बच्चों की देखभाल के उपाय, घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम तथा लैंगिक अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रूपेश कुमार, रक्षित निरीक्षक मनीष सिंह राजपूत एवं अन्य स्टॉफ सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सराहनीय बताते हुए इसे निरंतर आयोजित करने का सुझाव दिया। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव ने इस पहल के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पुलिस विभाग सामाजिक जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाज को मजबूत बनाने के लिए प्रयासरत रहेगा।

पीएससी टॉपर अंकुश बेनर्जी का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान, माला पहनाकर किया उत्साहवर्धन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) द्वारा घोषित परिणाम मे सातवा रैंक पाकर, टॉप 10 जगह पाने वाले पूरे बस्तर संभाग से एक लौते अंकुश बेनर्जी का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर मे अपने निवास में सम्मान किया, साथ ही माला पहनकर इस उपलब्धि के लिए अंकुश का उत्साहवर्धन भी किया, बता दे पहली बार नारायणपुर जिले से किसी छात्र ने छत्तीसगढ़ पीएससी के टॉप टेन सूची में स्थान बनाया था, पूरे नारायणपुर को गौरवान्वित किया, जिससे पूरे जिले में आनंद का माहौल है।**नारायणपुर का नाम सुनकर चौके मुख्यमंत्री** - मुख्यमंत्री निवास पर पीएससी में टॉप 10 स्थान पाने वाले सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहर एवं सम्मान हेतु आमंत्रण किया गया था, टॉप 10 में स्थान बनाने वाले अधिकतर विद्यार्थी दुर्ग और रायपुर संभाग के है,मुख्यमंत्री से परिचय के दौरान जैसे ही अंकुश बेनर्जी ने बताया वे बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले से है, वैसे ही मुख्यमंत्री चौंक पड़े और प्रशंसा करने लगे।

माता-पिता की सेवा एवं समर्पण का भी हुआ सम्मान - अंकुश बेनर्जी अपने पिता, नगर के किराना व्यवसायी एवं योग प्रशिक्षक सुबोध बेनर्जी एवं माता सुप्रिया बेनर्जी के साथ रायपुर पहुंचे थे, मुख्यमंत्री ने अंकुश के माता-पिता अंकुश के माता-पिता का भी उनके सेवा और समर्पण के लिए सम्मान भी किया, माता-पिता ने इसे उनके निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम बताया, वही उनके बड़े भाई अभिषेक बेनर्जी और नारायण बेनर्जी ने भी सम्मान के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

पीएससी परीक्षा में सभी स्तर पर पारदर्शिता की प्रशंसा - जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने टॉप 10 के सभी विद्यार्थियों को अपना अनुभव पूछा तब नारायणपुर के अंकुश बेनर्जी ने बताया, वर्तमान सरकार ने पीएससी परीक्षा में सभी स्तर पर पूर्ण पारदर्शिता रखा है जिसका परिणाम है कि जिन्होंने वास्तव में मेहनत किया उन्हें उनके परिश्रम का उचित फल मिला जिससे छात्रों में उत्साह का वातावरण भी है।

गांधी भवन का एनएमडीसी सीएमडी ने किया लोकार्पण, इंटक यूनियन किरन्दुल ने 20 सूत्रीय मांग पत्र सीएमडी को सौंपा

किरंदुल। श्रमिक सदन इंटक भवन किरन्दुल में 'गांधी भवन' का लोकार्पण एनएमडीसी अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक सीएमडी अमिताभ मुखर्जी के कर-कमलों से संपन्न हुआ।इस अवसर पर परियोजना एवं उद्योग से जुड़े तथा कर्मचारी एवं जनहितार्थ विषयों से संबंधित 20 सूत्रीय मांगपत्र यूनियन के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारी ने सीएमडी को सौंपा। इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यो ने यूनियन के संगठनात्मक सशक्तिकरण तथा श्रमिक कल्याण की दिशा में नई ऊर्जा भर दी।यूनियन के अध्यक्ष विनोद कश्यप और सचिव ए के सिंह के गतिशील नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने ना केवल यूनियन की मजबूत संगठनात्मक शक्ति को प्रदर्शित किया, बल्कि श्रमिक कल्याण और एकजुटता के प्रति उसकी अडिग प्रतिबद्धता को भी एक नई ऊँचाई प्रदान की।इस मौके पर निगम मुख्यालय से निदेशक कमर्शियल विश्वनाथ सुरेश,निदेशक टेक्निकल विनय कुमार,निदेशक उत्पादन जयदीप दास गुप्ता, निदेशक मानव संसाधन प्रियदर्शिनी गद्दाम, किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण, सीजीएम वर्कर्स किशन अहुजा, सीजीएम उत्पादन के पी सिंह,डीजीएम एच आर के एल नागवेनी के साथ बड़ी संख्या में यूनियन पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहें। यूनियन सचिव ए के सिंह ने इस अवसर पर कहा कि गांधी भवन यूनियन की दूरदर्शी सोच और कर्मठ नेतृत्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह भवन संगठन, बेहतर संवाद और श्रमिकों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य करेगा।उन्होंने यूनियन के सदस्यों से अपेक्षा किया कि यूनियन द्वारा भविष्य में भी उद्योग, श्रमिक एवं जनहितों के संरक्षण, सुरक्षा ,बेहतर प्रशिक्षण तथा विकास कार्यों को गति देने हेतु इसी तरह समर्पण, सहयोग की भावना को सदैव बनाए रखने की जरूरत है , सकारात्मक नेक विचारों के साथ देशहितार्थ में आगे कार्य करने के लिए सदस्यों को प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर-वलसाड-बिलासपुर के मध्य 4-4 फेरे के लिए साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन

बिलासपुर। शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-वलसाड-बिलासपुर के मध्य 4-4 फेरे के लिये साप्ताहिक शीतकालीन स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । इस गाड़ी में पर्याप्त संख्या में सीट उपलब्ध है गाड़ी संख्या 08243 बिलासपुर-वलसाड शीतकालीन स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 18 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को तथा गाड़ी संख्या 08244 वलसाड-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन वलसाड से दिनांक 19 दिसम्बर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दोनों दिशाओं में भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, बड़नेरा, अकोला, मल्कापुर, भुसावल, जलगाँव, अमलनेर, नंदूरबार, चलथान तथा भेसथान स्टेशनों में दिया गया है इस शीतकालीन स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 05 सामान्य, 10 स्लीपर, 02 एसी-द्वद्वद्व तथा 01 एसी-द्वद्व सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध है । गाड़ी संख्या 08243 बिलासपुर-वलसाड शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को बिलासपुर से 16.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 16.40 बजे, प्रस्थान 16.42 बजे, रायपुर आगमन 17.45 बजे, प्रस्थान 17.50 बजे, दुर्ग आगमन 18.50 बजे, प्रस्थान 18.52 बजे, राजनादगाँव आगमन 19.13 बजे, प्रस्थान 19.15 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 19.38 बजे, प्रस्थान 19.40 बजे, गोंदिया आगमन 20.50 बजे, प्रस्थान 20.55 बजे तथा रास्ते के ठहराव वाले अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08244 वलसाड-बिलासपुर शीतकालीन स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को वलसाड से 16.50 बजे रवाना होगी तथा रास्ते के ठहराव वाले अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 08.30 बजे, प्रस्थान 08.35 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 09.40 बजे, प्रस्थान 09.42 बजे, राजनादगाँव आगमन 10.07 बजे, प्रस्थान 10.09 बजे, दुर्ग आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 10.52 बजे, रायपुर आगमन 11.35 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, भाटापारा आगमन 12.35 बजे, प्रस्थान 12.37 बजे तथा 13.50 बजे बिलासपुर स्टेशन पहुंचेगी

रायपुर मंडल के निपनिया व भाटापारा स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कमीशनिंग हेतु नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य किया जाएगा, इसके फलस्वरूप कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर ही आधुनिक एवं सुविधायुक्त तकनीकी का उपयोग कर यात्री गाड़ियों की समयबद्धता तथा अधिक से अधिक ट्रैफिक के लिए प्रयासरत है। आधुनिक एवं उन्नत तकनीक के अंतर्गत गाड़ी परिचालन में संरक्षा को और बेहतर बनाने के साथ ही लाइन क्षमता में बढ़ोत्तरी तथा गाड़ियों की गतिशील परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड कर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम में परिवर्तित किया जा रहा है इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के निपनिया-भाटापारा स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कमीशनिंग हेतु नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य किया जाएगा इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

बेहतर समर्थन मूल्य और आधुनिक खरीदी व्यवस्था से किसान उत्साहित

कोरबा। जिले में धान खरीदी के सुचारू संचालन का लाभ किसानों को तेजी से मिल रहा है। इसी क्रम में रिस्दी के किसान श्री उमेंद सिंह धान उपार्जन केंद्र नकटीखार में अपने मेहनत से उपजाए 60 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान बेचने का अनुभव पहले से कहीं अधिक आसान रहा। विशेष रूप से टोकन तुंहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त होने से उन्हें किसी भी प्रकार की प्रतीक्षा या परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। किसान ने बताया कि वे खेती-किसानी के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और लगभग 4 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करते हैं। इस वर्ष उनकी धान की फसल अच्छी हुई है, जिसका श्रेय वे आधुनिक खेती पद्धतियों और सरकार की सुविधाओं को देते हैं। उमेंद्र राम का कहना है कि सर्वाधिक मूल्य पर धान खरीदी की स्थायी व्यवस्था ने किसानों में न केवल भरोसा बढ़ाया है, बल्कि खेती के प्रति रुचि भी मजबूत की है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी उन्होंने 60 क्विंटल धान विक्रय किया था एवं धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने समय पर खाद, बीज और कीटनाशक दवाओं की खरीदी में किया, जिसका सकारात्मक परिणाम इस वर्ष की अच्छी पैदावार के रूप में सामने आया है। किसान उमेंद्र राम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के लिए दी जा रही सुविधाएँ सराहनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल की प्रशंसा करते हुए बताया कि राज्य में कृषकों के हित में किए जा रहे कार्यों से किसानों का मनोबल बढ़ा है। ऐसी सुव्यवस्थित धान खरीदी की व्यवस्था से किसान संतुष्ट और खुश हैं।

अपनी संस्कृति और मूल्यों से जुड़े रहकर सपनों को किया जा सकता है साकार

कभी यह मत सोचिए कि आप पीछे रह गए हैं, यदि आप प्रयास करना नहीं छोड़ते,तो आप हमेशा पहले स्थान पर हो सकते हैं- पूर्व राष्ट्रपति कोविंद.....

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह का आयोजन आज पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल श्री रमेन डेका ने की। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य डॉ. दिवाकर नाथ वाजपेयी उपस्थित रहे। समारोह में 64 शोद्यार्थियों को शोध उपाधि, 92 गोल्ड मेडल एवं 36950 स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधि दी गई। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने स्नातक छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उन्हें शिक्षा, आत्मविश्वास, संकल्प और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के महत्व पर प्रेरित किया। पूर्व राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि यह दिन छात्रों के जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने विद्यार्थियों, विशेषकर पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि केवल उनकी मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे माता-पिता का त्याग, परिवार का सहयोग और गुरुओं का अमूल्य मार्गदर्शन भी निहित है। यह हर विद्यार्थी के लिए एक सुनहरा यादगार पल है, जिसे वे जीवनभर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि देश के विश्वविद्यालयों में बेटियाँ शिक्षा के क्षेत्र में कई बार बेटों से आगे निकल रही हैं और इस विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदक विजेताओं में भी बेटियों की संख्या उल्लेखनीय है।

पूर्व राष्ट्रपति ने युवा पीढ़ी की ऊर्जा और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है और वर्तमान युवा इसका ऐतिहासिक साक्षी और भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से स्नातक होना शिक्षा की पूर्णता नहीं है, बल्कि इक्कीसवीं सदी में सफलता के लिए निरंतर सीखना, कौशल निखारना और आत्मविकास अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्म-प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और प्रभावी संचार जैसी क्षमताओं के विकास की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही सफलता मिलने पर आत्ममंथन और विनम्रता बनाए रखने की सीख दी। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पालन-पोषण के दौरान कठिनाइयाँ और सीमित संसाधन रहे, लेकिन निरंतर प्रयास और ईश्वर की कृपा से वे उच्चतम पदों तक पहुँचे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि-कभी यह मत सोचिए कि आप पीछे रह गए हैं। यदि आप प्रयास करना नहीं छोड़ते, तो आप हमेशा पहले स्थान पर हो सकते हैं। उन्होंने छात्रों से अपने सपनों को साकार करने के लिए परिश्रम करने, भारतीय संस्कृति, मूल्यों और जड़ों से जुड़े रहने और योग व विज्ञान जैसी भारतीय विरासत को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लेने के महत्व को भी रेखांकित किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य इकाइयों में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग ने आज विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ज़ोन के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख रेलवे अस्पतालों एवं स्वास्थ्य इकाइयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए । इन कार्यक्रमों का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाना, वायरस से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग को प्रोत्साहित करना, तथा एड्स के संक्रमण की रोकथाम से जुड़े तथ्यों को व्यापक रूप से जनमानस तक पहुँचाना रहा । कार्यक्रमों के दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा एचआईवी/एड्स से संबंधित विभिन्न भ्रांतियों एवं तथ्यों पर विस्तृत जानकारी दी गई । ओपीडी मरीजों, उनके परिजनों,

रेलवे स्टाफ सहित विभिन्न आयु वर्ग के लाभार्थियों ने इन जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की । इस अवसर पर रोग निरोधक उपायों, सुरक्षित व्यवहार, संक्रमण की समय पर पहचान तथा आधुनिक उपचार विधियों के बारे में भी विस्तार से बताया गया । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर का चिकित्सा विभाग रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति पुरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, एवं भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा।

पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ने ली बिलासपुर रेंज के पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक.....

बिलासपुर। डॉ. संजीव शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर द्वारा बिलासपुर रेंज के पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई जिसमें मुख्यत: वर्ष 2023, 2024 तथा 2025 के आपराधिक आंकड़ो की समीक्षा तथा जिलों में बेसिक पुलिसिंग के साथ साथ नवीन कानून के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पोर्टल, ई-साक्ष्य, ई-संमस नेटग्रिड, क्राईमेक, समन्वय पोर्टल, आई.ओ. मितान, एनसीसीआरपी पोर्टल इत्यादि पर जिलों द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा महिलाओं और बच्चों से संबंधित मामलों में तत्काल संज्ञान लेकर विधिसम्मत कार्यवाही किये जाने के साथ-साथ अन्य गंभीर प्रकृति के प्रकरणों की सतत विवेचना करते हुए यथाशीघ्र विधिसम्मत में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के निराकरण किये जाने तथा 31 दिसम्बर 2025 की समाप्ति के पूर्व लंबित अपराध, मर्ग प्रकरण तथा चालान, लंबित शिकायत, लंबित विभागीय जॉच के निराकरण हेतु लक्ष्य निर्धारित कर इसका निराकरण करने निर्देशित किया गया। सड़क दुघटनाओं में कमी लाये जाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने कहा गया। पशु तस्करी, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस के प्रकरणों में जप्त वाहनों को राजसात कराने की कार्यवाही की जावे। संपत्ति संबंधी अपराधों में की गई रिपोर्ट पर त्वरित अपराध पंजीयन कर उसका निराकरण करने तथा अपहृत संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी करने हेतु निर्देशित किया गया। चोरी के अपराधों के निकाल के लिए टीम बनाकर कार्यवाही करने कहा गया। जिलों में संगठित जुआ-सट्टा जैसे सामाजिक अपराध पर पूर्णत: अंकुश लाने के साथ-साथ अवैध शराब की डिमाण्ड एवं सप्लाई पर निगाह रखते हुए अवैध शराब की बिक्री प्रतिबंधित करने निर्देशित किया गया। आबकारी के मामलों में अभ्यस्त अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने कहा गया। जप्त मादक पदार्थो का नष्टीकरण 31 दिसम्बर,2025 के पूर्व नियमानुसार करने निर्देशित किया गया। जिले में चरित्र सत्यापन एवं पासपोर्ट लंबित प्रकरणों का निराकरण वर्ष समाप्ति के पूर्व किये जाने साथ-साथ बाउण्ड ओव्हर कराने तथा पिछली कार्यवाही के सापेक्ष आने वाले समय में इन कार्यवाहियों में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित कर कार्यवाही किये जाने निर्देशित किया गया। जिलों में संगठित जुआ-सट्टा जैसे सामाजिक अपराध पर पूर्णत: अंकुश लाने के साथ-साथ अवैध शराब की डिमाण्ड एवं सप्लाई पर निगाह रखते हुए अवैध शराब की बिक्री प्रतिबंधित करने निर्देशित किया गया। आबकारी के मामलों में अभ्यस्त अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने कहा गया। जप्त मादक पदार्थो का नष्टीकरण 31 दिसम्बर,2025 के पूर्व नियमानुसार करने निर्देशित किया गया। जिले में चरित्र सत्यापन एवं पासपोर्ट लंबित प्रकरणों का निराकरण वर्ष समाप्ति के पूर्व किये जाने

केंदा घाटी में बड़ा हादसा मोड़ पर अनियंत्रित हुई बस पेड़ से टकराकर लटकी

बिलासपुर। बिलासपुर-पेंड्रा रोड के केंदा घाटी क्षेत्र में मंगलवार शाम एक बड़ी दुर्घटना हो गई। दीप ट्रैवल्स की यात्री बस मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी कंक्रीट दीवार से टकरा गई और उसके बाद पेड़ से टकराते हुए दो पहियों के सहारे खाई के ऊपर लटक गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक की स्थिति काफी गंभीर बताई जा रही है। बस के ठीक बगल में करीब 40 फीट गहरी खाई थी। यदि बस नीचे गिर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना कोटा थाना और केंदा चौकी क्षेत्र में हुई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बस (छत्त 10 त्त 0336) मरवाही से बिलासपुर की ओर जा रही थी। बस के ड्राइवर अर्जुन कश्यप के साथ कुल 31 यात्री सवार थे। पेंड्रा और गौरेला पार करने के बाद जैसे ही वाहन कारीआम के आगे स्थित केंदा घाटी पहुंचा, वहीं सड़क के जर्जर होने और निर्माण कार्य के चलते रास्ता बेहद जोखिम भरा था। फिसलन और गड्ढों के कारण घाटी में वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। इसी बीच एक तेज मोड़ पर बस का नियंत्रण ड्राइवर से छूट गया। वाहन पहले कंक्रीट वॉल से टकराया, फिर एक पेड़ से अटककर खाई के ऊपर लटक गया। अंदर बैठे यात्री टक्कर के झटके से एक तरफ गिर पड़े। हादसे में ग्राम केंदा सेमरी निवासी 20 वर्षीय यशपाल कंवर को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सहकारी समितियों में नि:शुल्क हो रहा छूटे खसरों का अपडेशन-अब 39800 खसरे बचे है अपडेट करने को

- कलेक्टर ने अपडेट कराने किसानों से की अपील
- धान बेचने के लिए जरूरी है रिकार्ड का अपडेट होना

बिलासपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा धान बिक्री हेतु एकीकृत पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन हेतु विभिन्न स्तर पर विकल्प उपलब्ध कराये गये है। जिले में कुल 131624 कृषकों का पंजीयन एकीकृत एग्रीस्टेक पोर्टल पर हुआ है। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत कुछ कृषकों का खसरा एकीकृत पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहा है, ऐसे कृषकों का खसरा सीएससी आईडी से यूएफआर कर एकीकृत पोर्टल में अपलोड किये जाने का कार्य वर्तमान में बिलासपुर जिले के अंतर्गत 114 सगितियों के द्वारा किया जा रहा है। उक्त छुटे हुये खसरों का अपडेट किसान स्वयं ही यूएफआर मॉड्यूल

से जोड़ सकता है। जिसका वेब लिंक में जाकर लॉग इन अस को किसान सलेक्ट कर अपने आधारकार्ड नंबर से आधार लिंक मोबाईल पर ओटीपी प्राप्त कर स्वयं लॉग इन कर सकता है। कृषकों को एकबार स्वयं यूजर आईडी और पासवर्ड क्रिएट करना पड़ेगा। उसके पश्चात छुटे खसरों को जोड़ने हेतु यूएफआर मॉड्यूल से स्वयं रिक्वेस्ट कर सकेगे। उक्त सुविधा उपलब्ध होने तथा लगातार समिति के अंतर्गत आनेवाले ग्रामों में मुनादी कराने व समिति कर्मचारियों, कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के मैदानी अमलों के द्वारा संपर्क करने के पश्चात भी आज दिनांक पर लगभग 39800 खसरा अपडेट करने हेतु लंबित है। अत: सभी किसान भाई शासन द्वारा कृषक हित में दिये गये सुविधा का लाभ उठाते हुये उपरोक्त माध्यम से यूएफआर हेतु लंबित खसरों का समितियों में आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाईल नंबर एवं भूमि विवरण सहित उपस्थित होकर अपने छुटे हुए खसरों को जोड़ करा लेवे, ताकि धान बिक्री में कोई परेशान न हो। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने छूटे हुए सभी किसानों को अपने से संबंधित सहकारी समिति में पहुंचकर रिकार्ड अपडेट करा लेने की अपील की है।

फायर डिटेक्शन सिस्टम एवं हैंड ब्रेक इंडिकेटर से संरक्षा में महत्वपूर्ण सुदृढ़ता

- दुर्ग एवं बिलासपुर कोचिंग डिपो के नवाचारों से बढ़ी संचालन विश्वसनीयता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग ने यात्री सुरक्षा, संचालन दक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत करते हुए एसी कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम के उन्नत उपयोग तथा गार्ड वैन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर की व्यवस्था जैसे दो महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार सफलतापूर्वक लागू किए हैं । ये दोनों पहलें रेलवे सुरक्षा मानकों को नई ऊंचाई प्रदान करती हैं और यात्रियों के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं । फायर डिटेक्शन सिस्टम एक स्वचालित धुआं पहचान एवं अलर्ट व्यवस्था है, जिसे एसी कोचों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है । सिस्टम के माध्यम से धुआं या आग की प्रारंभिक उपस्थिति का तुरंत पता लगता है और अलार्म सक्रिय हो जाता है, जिससे त्वरित कार्रवाई संभव होती है तथा किसी भी संभावित जोखिम में उल्लेखनीय कमी आती है । मुख्य विशेषताएँ धुआं पहचानते ही स्वत: चेतावनी संकेत, कोच के भीतर संभावित आग/धुआं स्थिति की त्वरित जानकारी, जोखिम कम करने व समय पर कार्रवाई

सुनिश्चित करने में सहायक, यात्रियों एवं ट्रेन स्टाफ की सुरक्षा जागरूकता में वृद्धि राज्योत्सव 2025 में आकर्षण का केंद्र- दुर्ग कोचिंग डिपो द्वारा इस उन्नत फायर डिटेक्शन सिस्टम को राज्योत्सव 2025 (1ङ्क6 नवम्बर, नया रायपुर) में प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया गया, जहाँ इस मॉडल को व्यापक सराहना मिली । आगंतुकों को सिस्टम के डिजाइन, कार्य-सिद्धांत और अलर्ट तंत्र की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान की गई, जिससे रेलवे की अग्नि सुरक्षा तकनीकों के प्रति आमजन की जागरूकता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई । गार्ड वैन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर की व्यवस्था- कोचिंग डिपो बिलासपुर द्वारा दो एलएचबी गार्ड वैन में ट्रेन मैनेजर (गार्ड) के केबिन में हैंड ब्रेक इंडिकेटर स्थापित किया गया है । यह सुधार ब्रेक संचालन की निगरानी को सरल और अधिक विश्वसनीय बनाता है, जिससे ट्रेन संचालन में सुरक्षा को नई मजबूती मिलती है । रिट्रोफिटमेंट के मुख्य लाभ-1. हैंड ब्रेक रिलीज की सीधी मॉनिटरिंग ट्रेन मैनेजर को केबिन से ही ब्रेक की वास्तविक स्थिति का पता चलता है, जिससे गलतियों की संभावना कम होती है । 2. ब्रेक संचालन में सुधार एवं स्टाफ के कार्यभार में कमी गार्ड एवं ऑपरेटिंग स्टाफ के लिए मॉनिटरिंग आसान हो जाती है, जिससे संचालन दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ती है । यह व्यवस्था गार्ड की परिचालन क्षमता बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने तथा कोचिंग रेक में समग्र सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । संरक्षा उन्नयन की दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो बिलासपुर एवं दुर्ग द्वारा किए गए ये तकनीकी नवाचार रेलवे की संचालन संरक्षा, विश्वसनीयता और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं । निरंतर तकनीकी सुधार, उन्नत सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग और बेहतर मेंटेनेंस प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित कर संरक्षित एवं भरोसेमंद ट्रेन सेवाओं को निरंतर मजबूत किया जा रहा है ।

महाप्रबंधक ने बहुविभागीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान,बिलासपुर में कवच प्रयोगशाला का शुभारंभ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने आज बहुविभागीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, बिलासपुर में अत्याधुनिक कवच प्रयोगशाला का शुभारंभ किया । यह प्रयोगशाला स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली कवच के प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने तथा कर्मचारियों को वास्तविक परिस्थितियों में संरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने हेतु स्थापित की गई है । इस अवसर पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री गोवर्धन प्रसाद खूँटे, मण्डल रेल प्रबंधक बिलासपुर श्री राजमाल खोईवाल, मुख्यालय एवं मण्डल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे, जो संरक्षा एवं परिचालन उत्कृष्टता के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । कवच प्रणाली : भारतीय रेलवे की उन्नत संरक्षा तकनीक कवच भारतीय रेलवे की स्वदेशी विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन संरक्षा प्रणाली है, जिसका उद्देश्य ट्रेन संचालन को अत्यधिक सुरक्षित एवं त्रुटिरहित बनाना है । यह प्रणाली सिग्नल पासिंग एट डेंजर को रोकती है, निर्धारित गति से अधिक होने पर स्वत: ब्रेकिंग सुनिश्चित करती है, दो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखती है तथा हेड-ऑन और रियर-एंड टक्कर की संभावना को न्यूनतम करती है ।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

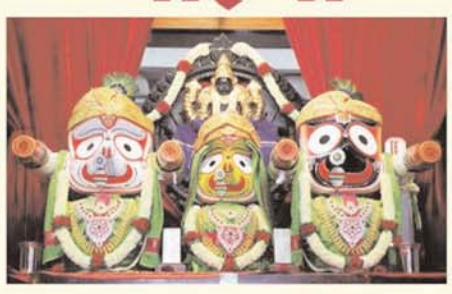

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अतः वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अतः घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।

पोर्टल पुनः चालू कराने जिला मुख्यालय में सौंपा गया ज्ञापन

बड़ी लापरवाही : पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल बंद, हजारों छात्रों की परेशानी बढ़ी

राजनांदगांव। जिले में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसमें पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल बंद होने से छात्रों की समस्या बढ़ गई है। इसे लेकर छात्र नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने जिला मुख्यालय स्थित आदिम जाति कल्याण विभाग पहुँचकर आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, रायपुर मंत्रालय के नाम पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल को तत्काल पुनः चालू करने हेतु ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि प्रदेश में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल के अचानक बंद होने से SC/ST/OBC वर्ग के हज़ारों आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी गहरे संकट में हैं। पोर्टल बंद हो चुके हैं, लेकिन सरकार या प्रशासन द्वारा न राहत दी जा रही है, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। छात्रों से जुड़े जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्रसमय पर जारी नहीं हो पा रहे क्योंकि जिले के पटवारी SIR फॉर्म के अत्यधिक बोझ में दबे हैं, तहसीलदार धान खरीदी एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त हैं। प्रशासनिक अव्यवस्था का सीधा असर छात्रों की शिक्षा पर पड़ रहा है। विश्वविद्यालय ने सप्लीमेंट्री परिणाम देर से जारी किए और परिणाम आते ही छात्रवृत्ति पोर्टल बंद मिला। छात्रों का कहना है कि उन्हें जानबूझकर अवसर से वंचित किया गया, ऐसा संदेह होना स्वाभाविक है। युवा नेता ऋषि शास्त्री ने कहा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की महाविद्यालय शुल्क, परीक्षा आवेदन, छात्रावास सब कुछ छात्रवृत्ति पर निर्भर है। पोर्टल बंद होने से गरीब छात्रों के घरों में तनाव का माहौल है। वे दिनभर कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। सरकार सिर्फ कागज़ी बयानबाज़ी कर रही है। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पोर्टल शीघ्र नहीं खोला गया, तो विद्यार्थियों के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी सरकार और विभागीय अधिकारियों की होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित विशु अजमानी (प्रदेश सचिव, अल्पसंख्यक विभाग), संदीप सोने (मंडल अध्यक्ष), तौसीफ गोरी, राहुल साहू, रोहित कोचरे, विकास यादव, अभय गुप्ता, असल श्रीवास्तव, देव यादव, तरु साहू, प्रथम हरिहरनो एवं अन्य छात्र नेता उपस्थित रहे।

विश्व मंच पर भिलाई का परचम : देवेंद्र वर्मा ने जीता गोल्ड, बने ओवरऑल स्ट्रॉन्ग मैन

एचटीसी कार्यालय में हुआ सम्मान, कोलंबो में गूंजा भारत का नाम

भिलाई। श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भिलाई के गौरव देवेंद्र वर्मा ने 77 वेट क्लास में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बेंच प्रेस में गोल्ड मेडल जीता। इसी के साथ उन्होंने ओवरऑल स्ट्रॉन्ग मैन का खिताब भी हासिल कर भारत का नाम विश्व पटल पर चमका दिया। एच.टी.सी. कार्यालय में हुआ सम्मान- भिलाई लौटने पर देवेंद्र वर्मा का एच.टी.सी. कार्यालय में भव्य सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह में सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष- इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने उन्हें शॉल- और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कोचों को भी मिली सराहना- इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने इंडिया टीम के कोच ऊदल कुमार वाल्मीकि तथा देवेंद्र के पर्सनल कोच श्रीनिवास साहू को भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई प्रेषित की। होनहार खिलाड़ियों को मिलेगा हर संभव सहयोग – इंद्रजीत सिंह 'छोटू'-सम्मान समारोह के दौरान इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने कहा कि राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को जिस भी मंच पर जरूरत होगी, वे हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संसाधनों की कमी के कारण किसी भी योग्य खिलाड़ी को अपना खेल छोड़ना नहीं पड़ेगा–सर्व समाज कल्याण समिति इसके लिए सदैव खड़ी रहेगी।

रजिस्ट्री शुल्क वृद्धि के विरोध में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का दुर्ग में उपवास प्रदर्शन

दुर्ग। प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में की गई रजिस्ट्री शुल्क में वृद्धि और इसके विरोध में प्रदर्शनकारियों पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में, भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव ने गुरुवार को दुर्ग के गांधी चौक पर उपवास कर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में हस्द्ध के कार्यकर्ता और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार के रजिस्ट्री शुल्क में वृद्धि के निर्णय को लेकर अपना कड़ा विरोध जताया। विधायक देवेंद्र यादव ने सरकार के इस कदम को ÷तुगलकी फरमान÷ करार दिया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय ने आम जनता के घर बनाने के सपनों को तोड़ दिया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों लगातार 8 दिनों तक आम जनता और रियल एस्टेट से जुड़े व्यवसायियों ने बढ़ी हुई दरों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की थी। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था, जिसे विधायक देवेंद्र यादव ने ÷दुर्भाग्यपूर्ण÷ बताया। यादव ने अपने बयान में कहा, ÷सरकार का यह निर्णय जनता के हितों के खिलाफ है और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना अलोकतांत्रिक है।÷ प्रदर्शन स्थल पर मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार से तत्काल प्रभाव से रजिस्ट्री शुल्क की दरों को वापस लेने की मांग की।

दुर्ग के कोड़ियां गांव में है 200 साल पुराना स्वयंभू 'भुईयां फोड़' शिवलिंग, अनोखी है प्रकट होने की कहानी

दुर्ग। दुर्ग जिले के कोड़ियां गांव में स्थित ऐतिहासिक भूमि फोड़ शिव मंदिर की कहानी बेहद रोचक है। बताया जाता है कि लगभग 200 साल पहले मालगुजारी के दौर में, पानी की समस्या के दौरान कुआं खोदते समय यह शिवलिंग स्वतः ही जमीन से प्रकट हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार, प्रारंभ में यह एक नारियल के आकार का पत्थर था, जो समय के साथ बढ़कर वर्तमान शिवलिंग का रूप ले चुका है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जब गांव में पीने के पानी की किल्लत हुई, तब दाऊ रूपसिंह वर्मा ने कुआं खोदने का आदेश दिया था। खुदाई के दौरान, नारियल के आकार का भूरे रंग का एक पत्थर मिला। तमाम प्रयासों के बावजूद ग्रामीण इसे निकाल नहीं पाए और धीरे-धीरे इसका आकार बढ़ने लगा, जिसे अब 'भुईयां फोड़' शिवलिंग के नाम से जाना जाता है।

स्वयंभू शिवलिंग की विशेषता- मंदिर की मुख्य विशेषता यह है कि यहां शिवलिंग स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। गौर से देखने पर, शिवलिंग की शिला का रंग भूरा और रेशेदार दिखाई देता है, जो नारियल की बनावट जैसा प्रतीत होता है। इसके अलावा 16वीं शताब्दी से जुड़े इस मंदिर में वर्तमान में भगवान गणेश, हनुमान समेत कई अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं, जिन्हें भक्तों ने अपने पूर्वजों के नाम पर स्थापित किया है। भक्तों में गहरी आस्था है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना भगवान शिव यहां जरूर पूरी करते हैं।

धार्मिक आयोजन-मंदिर में सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। गांव के बीच स्थित यह साधारण सा दिखने वाला मंदिर अपने आप में समृद्ध ऐतिहासिक घटनाओं को समेटे हुए है।

दो दर्जन ढ़ाबों में पुलिस की दबिश, शराब सेवन मामले में 5 पर कार्रवाई

ढाबा संचालकों और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले तीन लोगों पर कायमी

सोमनी और कोतवाली थाना की तीन टीमें बनाकर ढाबों की चेकिंग

राजनांदगांव। हाइवे और आसपास के ढाबों में शराब परोसे जाने की शिकायतों के बाद रात पुलिस की टीम ने दबिश दी। इस दौरान 25 ढाबों का निरीक्षण किया गया। साथ ही कैंपस के बाहर खड़े वाहनों की भी जांच की गई, यहां शराब सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीन दलों में विभाजित कर थाना कोतवाली तथा थाना सोमनी क्षेत्र के कुल 25 ढाबों में पहुंची। इस दौरान ढ़ाबा परिसर के अंदर-बाहर होने वाली गतिविधियों की जांच की गई। साथ ही ढ़ाबों के पास संदेहास्पद रूप से खड़े वाहनों की सघन तलाशी भी ली गई।

जांच के दौरान दो ढाबा संचालकों द्वारा अवैध रूप से शराब पिलाने की पुष्टि होने पर शिवशक्ति काठियावाड़ी ढाबा और मुंबई-कोलकाता ढाबा संचालक के विरुद्ध धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वहीं तीन व्यक्तियों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने पर छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। यह विशेष अभियान रात 10 बजे से 12 बजे तक दो घंटे तक लगातार चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेंगे ताकि कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

जिला प्रशासन की टीम ने सात प्रकरणों में 16 लाख से अधिक का धान जब्त किया

राजनांदगांव। अवैध धान की बिक्री पर जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला प्रशासन की टीम ने सात प्रकरणों में 16 लाख से अधिक का धान जब्त किया है, जो तकरीबन 528 क्विंटल बताया गया है। जिले में अवैध धान बिक्री की रोकथाम के लिए कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि राजस्व, खाद्य, मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा आज कुल 7 प्रकरणों में 16 लाख 36 हजार 800 रूपए मूल्य के 528 क्विंटल (1320 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 138 प्रकरणों में 5 करोड़ 26 लाख 14 हजार 6 रूपए मूल्य के 16972.26 क्विंटल (42431 बोरा) अवैध धान एवं 8 वाहन जप्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगांव अनुविभाग में 5 प्रकरण में 12 लाख 95 हजार 800 रूपए मूल्य के 418 क्विंटल (1045 बोरा) अवैध धान एवं डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 2 प्रकरणों में 3 लाख 41 हजार रूपए मूल्य के 110 क्विंटल (275 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया है। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक राजनांदगांव अनुविभाग में कुल 57 प्रकरणों में 3 करोड़ 1 लाख 60 हजार 520 रूपए मूल्य के 9729.20 क्विंटल (24323 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन, डोंगरगढ़ अनुविभाग में 39 प्रकरण में 1 करोड़ 66 लाख 1 हजार 706 रूपए मूल्य के 3439.26 क्विंटल (8598 बोरा) अवैध धान व 2 वाहन तथा डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 42 प्रकरणों में 1 करोड़ 17 लाख 91 हजार 780 रूपए मूल्य के 3803.80 क्विंटल (9510 बोरा) अवैध धान एवं 4 वाहन जप्त किया गया है। जिले में कोचियों एवं बिचौलियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले के 1500 छोटे एवं बडे मंडी अनुज्ञप्तिधारियों को सूचीबद्ध कर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं खाद्य व मंडी के अधिकारियों को जांच कर अवैध रूप से भंडारित धान जप्त किए जाने तथा सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये गये है। जिले में अंतर्राज्यीय अवैध धान आवक के रोकथाम हेतु जिले में कुल 3 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट बोरतलाब, पाटेकोहरा एवं कल्लूबंजारी स्थापित किया गया है। जहां पर मंडी, नगर सेना, वन विभाग एवं राजस्व के अधिकारियों द्वारा तीन पालियों में 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण

अम्लेश्वर। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सांकरा पाटन का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कॉलेज और प्रशासनिक भवनों का अवलोकन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सक्सेना भी मौजूद थे। उन्होंने अनुसंधान केंद्रों के बारे में भी चर्चा की और ठेकेदार को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। नेताम के आगमन पर विश्व विद्यालय प्रबंधन ने आत्मिता से स्वागत किया, साथ ही उत्तर पाटन के जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओ ने नेताम का स्वागत कर सौजन्य भेंट मुलाकात किया। मौके पर प्रदेश भाजपा मंत्री जितेंद्र वर्मा,जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर,मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, ग्राम पंचायत सरपंच रवि सिंगौर,पूर्व जनपद सदस्य डॉ घनश्याम कौशिक, केशव बंछोर, हितेश साहू, विवेक कौशिक सहित पाटन ब्लॉक के अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आर आई, पटवारी सहित विश्व विद्यालय के स्टॉप मौजुद रहे।

भिलाई-3 में हादसा : युवक हाईवोल्टेज करंट की चपेट में

भिलाई। भिलाई-3 क्षेत्र में मंगलवार शाम लगभग 4 से 5 बजे के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। बालाजी नगर, खुर्सीपार निवासी जी. श्याम (18 वर्ष) हाईवोल्टेज ट्रेन तार की चपेट में आ गया, जिससे वह 70-80त्न तक गंभीर रूप से झुलस गया।घटना के बाद युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसकी हालत को देखते हुए क्स्कके जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय (छ्स्ह अस्पताल) में रेफर कर दिया गया क्षेत्र में इस हादसे से दहशत का माहौल है।वहीं युवक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

सैकड़ों प्रभावित किसानों ने एसडीएम कार्यालय का किया घेराव पाटन में 132 के.वी. लाइन को लेकर किसानों का आक्रोश उभरा

दुर्ग। 132 के.वी. पाटन-अण्डा विद्युत लाइन निर्माण कार्य में उचित मुआवज़ा एवं शासनादेश के पालन की मांग को लेकर किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। बड़ी संख्या में प्रभावित किसान पाटन एसडीएम कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन प्राप्त करने नायब तहसीलदार पाटन भूपेन्द्र सिंह स्वयं उपस्थित रहे। किसानों के मार्गदर्शन के लिए किसान नेता ढालेश साहू मौके पर उपस्थित थे। उन्होंने किसानों की ओर से स्पष्ट कहा कि जब तक शासनादेश 10 मार्च 2025 और केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड वर्ष 2025-26 की भूमि दरों का पूरा पालन नहीं किया जाता, तब तक किसानों पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य थोपना अनुचित और अवैध होगा। ज्ञापन सौंपने पहुंचे किसानों में ग्राम मंटग के सरपंच अमित हिरवानी, होमलाल, परसराम, देव निर्मलकर, किशन लाल, ग्राम बोदल से गोविंद यादव, हिरासिंग, छन्नू महिलागे, ग्राम मर्रा से जितेन्द्र, मोहित कुमार वर्मा, भीषम, राजेन्द्र कुमार, अरुण कश्यप असोगा, बालाराम साहू पुरई, मुकेश ढीमर, सुनील गोयल, कृष्ण कुमार गोयल सहित सैकड़ों प्रभावित किसान शामिल थे। किसानों ने आरोप लगाया कि मुआवज़ा निर्धारण की प्रक्रिया न तो पारदर्शी है और न ही किसानों को किसी भी प्रस्ताव की लिखित प्रति उपलब्ध कराई गई है। किसानों ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी कि मुआवज़ा निर्धारण एवं पुनर्मूल्यांकन की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने तथा किसानों को उनका विधिसम्मत मुआवज़ा मिलने के बाद ही 132 के.वी. लाइन निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए। किसानों ने कहा कि परियोजना के सर्वे, मार्ग-चयन और आपत्ति-निवारण की जानकारी अभी तक किसी भी किसान को उपलब्ध नहीं कराई गई, जबकि नियमों के अनुसार यह जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। किसान नेता व ग्राम पंचायत मटंग सरपंच अमित हिरवानी ने कहा कि यह मुद्दा किसानों की आजीविका से सीधे जुड़ा है और किसी भी कीमत पर किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। यदि प्रशासन ने समय पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों ने आज सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे अपनी मांगों को लेकर आगामी सोमवार को जिला कलेक्टर दुर्ग से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे।

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग में कृषि मंत्री का भ्रमण छात्रों का बढ़ाया हौसला

अनुसंधान और ऑयल पंप प्लांटेशन का किया निरीक्षण

अम्लेश्वर। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा ,पाटन ,दुर्ग में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री राम विचार नेताम का आगमन एवं दौरा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित भवनों का सघन अवलोकन किया तथा विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षिक अनुसंधान एवं खेल गतिविधियों की सहाना की भ्रमण के दौरान नेताम ने उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय पहुंचे जहां उन्होंने छात्र छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव अनुसंधान रुचि एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। तथा उन्हें कड़ी मेहनत और नवाचार के लिए प्रेरित किया इसी। दौरान विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय खेल स्पर्धा में सहभागिता कर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया और खेल भावना को जीवन में अपने का संदेश दिया। इसके पश्चात मंत्री ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र खुडमुड़ी पहुंचे। जहां उन्होंने विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के साथ-साथ ऑयल पंप प्लांटेशन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्नातकोत्तर एवं एचडी के शोधार्थी छात्रों के से मुलाकात कर उनकी सोच संबंधित समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना शोधार्थियों द्वारा रिसर्च फॉर्म की अधिक दूरी एवं आवागमन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराने पर नेताम ने अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए एसडीएम पाटन को विश्वविद्यालय परिसर के आसपास कृषि भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिससे शोधार्थियों को सुविधा मिल सके और अनुसंधान कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने मंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय की उपलब्धियां शैक्षणिक योजनाओं अनुसंधान कार्यों एवं विस्तार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में उद्यानिकी वानिकी क्षेत्र की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्र में नवाचार अनुसंधान और तकनीकी विस्तार की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। मंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा की उद्यानिकी एवं वानिकी राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और इस दिशा में विश्वविद्यालय की पहल सराहनीय है उन्होंने अनुसंधान को व्यवहारिक उपयोग से जोड़ने पर बल दिया। इस गरिमामई अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी गण , संकाय सदस्य गण कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं की उपस्थित रही। कार्यक्रम का समापन उत्साह ऊर्जा एवं सकारात्मक संकल्प के साथ हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com